हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 257 बेमेतरा, गुरुवार 14 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

जैकलीन फर्नांडिस सरकारी गवाह बनने से पीछे हटीं

नईदिल्ली। जैकलीन फर्नांडिस ने ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की अपील की थी। इस बावत उन्होंने दिल्ली की एक अदालत में एक अर्जी भी दायर की। हालांकि अब अभिनेत्री अपनी इस मांग से पीछे हट गई हैं और उन्होंने अपनी अर्जी को वापस ले लिया है। यह कदम उन्होंने तब उठाया, जब 11 मई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी अर्जी पर अदालत में आपत्ति जताई। रिपोर्ट के मुताबिक, जैकलीन ने ठग से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की अपनी अर्जी वापस ले ली है। 12 अप्रैल को सुनवाई के बाद, अभिनेत्री के वकील ने पुष्टि की कि उन्होंने जज प्रशांत शर्मा के सामने दायर की अर्जी को वापस ले लिया है। इससे पहले, अभिनेत्री के सरकारी गवाह बनने की इच्छा पर अदालत ने उन्हें स्पष्ट किया था कि इसके लिए उन्हें ईडी को एक औपचारिक अनुरोध भेजना होगा। उधर ईडी ने जैकलीन की अर्जी का विरोध करते हुए उन्हें ठगी मामले में बराबर का भागीदार बताया। उन्होंने अदालत में तर्क दिया कि अभिनेत्री आरोपी के आपराधिक इतिहास के बारे में जानते हुए भी लगातार उसके संपर्क में बनी रहीं।

बंगाल नगरपालिका भर्ती घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल नगरपालिका भर्ती घोटाले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है. एजेंसी ने पूर्व मंत्री सुजीत बोस को गिरफ्तार किया है. 63 साल के सुजीत बोस को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया. दरअसल, ईडी ने सुजीत बोस और उनके बेटे समुद्र को पूछताछ के लिए बुलाया था. सॉल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में कई घंटों की पूछताछ के बाद ईडी ने सोमवार शाम उन्हें गिरफ्तार कर लिया. सुजीत बोस पर नगरपालिकाओं में भर्ती प्रक्रिया के दौरान ओएमआर शीट में हेरफेर कर पैसों के बदले नियुक्तियां करवाने का आरोप है. अधिकारियों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान सुजीत बोस को कई अहम सबूत दिखाए गए, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. ईडी के मुताबिक, सुजीत बोस ने साउथ दमदम नगरपालिका में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए कथित तौर पर 150 उम्मीदवारों की अवैध सिफारिश की थी और इसके बदले आर्थिक लाभ लिया.

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने पेट्रोल-डीजल की किल्लत को नकारा

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद देश में एक बार फिर पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति रो लेकर चिंता और अफवाह बढ़ गई है। इस पर मंगलवार को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं और किसी को घबराना नहीं चाहिए। सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में पुरी ने कहा कि देश के पास 60 दिनों का कच्चा तेल भंडार सुरक्षित है।

पीएम मोदी ने पेश की बड़ी मिसाल-मंत्रियों ने भी घटाई कारों की संख्या

दो गाड़ियों के काफिले में घर से निकले पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपने सरल आचरण और 'लीडिंग बाय एग्जांपल' की मिसाल पेश करते हुए सबको चौंका दिया है दरअसल, बुधवार को जब वे केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में शामिल होने के लिए अपने आवास से निकले तो सुरक्षा के बड़े तामझाम के बजाय उनका काफ्लिा दर्जन भर से ज्यादा गाड़ियों से घटकर महज दो गाड़ियों तक ही सीमित नजर आया। कैबिनेट बैठक के लिए रवाना होते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफ्लिे में केवल दो वाहन शामिल थे। इनमें से एक कार में प्रधानमंत्री खुद अपने स्टाफ के साथ सवार थे, जबकि दूसरी गाड़ी में उनकी सुरक्षा में तैनात विशेष सुरक्षा समूह के कमांडो मौजूद थे। प्रधानमंत्री की इस पहल को ईंधन की बचत की दिशा में एक कड़ा संदेश माना जा रहा है। हाल ही में उन्होंने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल के विवेकपूर्ण इस्तेमाल की अपील की थी और अब उन्होंने खुद इसे अपने जीवन में उतारकर एक मिसाल कायम की है। ईंधन बचाने की यह मुहिम प्रधानमंत्री ने रविवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान शुरू की थी। वहां उन्होंने नागरिकों से अपील किया था कि देश के हित में पेट्रोल और डीजल की बचत करना बहुत ही जरूरी है। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों से एक साल तक सोने की खरीद न करने की भी अपील की थी। अब सरकारी तंत्र में भी दिखने लगा है। खबर है कि केंद्र

सरकार के कई मंत्रियों और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी अपने काफ्लिे की गाड़ियों की संख्या में कटौती कर दी है। इतना ही नहीं, सरकार अब अधिक से अधिक बैठकों को फिजिकल के बजाय ऑनलाइन मोड में करने पर जोर दे रही है ताकि यात्रा में खर्च होने वाले ईंधन को बचाया जा सके। प्रधानमंत्री के इस सादगी भरे कदम के पीछे आर्थिक संकेत भी छिपे हो सकते हैं। राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा तेज है कि आने वाले दिनों में ईंधन के उपयोग पर कुछ पाबंदियां लग सकती हैं या कीमतों में इजाफ हो सकता है। इन कयासों को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के उस बयान से और बल मिला है जिसमें उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों को बहुत लंबे समय तक स्थिर रखना संभव नहीं है। मंत्री के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घरेलू पेट्रोलियम कंपनियों को रोजाना करीब 1000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री का सिर्फ दो गाड़ियों में निकलना न केवल एक संदेश है बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए देश को मानसिक रूप से तैयार करने की एक कोशिश भी मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने काफिले में की कटौती

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रहित में ईंधन संरक्षण एवं संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर आह्वान किया है. इस परिपेक्ष्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने काफ्लिे में कटौती की है. इसके साथ उन्होंने मंत्रियों और निगम-मंडलों के पदाधिकारियों के साथ प्रदेशवासियों से वाहनों के संयमित उपयोग का आग्रह किया है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने काफ्लिे में 5 गाड़ियों की कटौती की है. अब काफ्लिे में 13 की जगह केवल 8 गाड़ियां चलेंगी. इसके साथ उन्होंने जल्द की काफ्लिे में श्वङ्क गाड़ियों को भी शामिल करने की बात कही है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया पर किए अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का जिक्र करते हुए कहा कि आज समय की मांग है. वैश्विक ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों के इस कठिन दौर में पेट्रोल-डीजल जैसे मूल्यवान संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करना हम सभी का राष्ट्रीय दायित्व है.

समर्थन में 144 वोट मिले

विधानसभा में विजय सरकार फ्लोर टेस्ट में पास

नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा में विजय सरकार फ्लोर टेस्ट में पास कर लिया है। सीएम विजय के समर्थन में 144 वोट पड़े। जबकि विरोध में सिर्फ22 वोट पड़े। मुख्यमंत्री विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम को समर्थन देने वाले कुल 144 विधायकों में से AIADMK के 25 बागी विधायक भी है। वहीं मुख्य विपक्षी पार्टी डीएमके ने सदन से वॉकआउट किया। जबकि वोटिंग के दौरान 5 विधायक गैरमौजूद रहे। फ्लोर टेस्ट पास करने के साथ ही राज्य में उनकी सरकार के बने रहने का रास्ता पूरी तरह साफहो गया है। इस पर सीएम विजय ने कहा उनकी

सरकार सेक्युलर तरीके से घोड़े की रफ्तार से काम करेगी न कि हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल होगी। पिछली सरकार की सभी योजनाओं को हमारी सरकार जारी रखेगी। बता दें कि बता दें कि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोटिंग हुई थी।

बूंद-बूंद को मोहताज आम जनता

नल से पानी नहीं लेकिन टैक्स वसूल रही नगर पालिका,7 साल से टैंकर के सहारे वार्डवासी..

खैरागढ़। खैरागढ़ जिला मुख्यालय का वार्ड क्रमांक 1 पिपरिया इन दिनों सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की गहरी खाई की तस्वीर बन चुका है. यहां नगर पालिका ने वर्षों पहले नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन तो बिछा दी, घरों में नल कनेक्शन भी दे दिए और पानी टैक्स की वसूली भी लगातार जारी है, लेकिन विडंबना यह है कि इन नलों से आज तक लोगों को पानी की एक बूंद तक नसीब नहीं हुई. वार्ड की गली में हर सुबह लोगों की सबसे बड़ी चिंता यही होती है कि आज पीने का पानी कहां से आएगा. कोई निजी टैंकर बुला रहा है, कोई दूर के बोरिंग से बाल्टियों में पानी ढो रहा है, तो कोई दूसरे मोहल्लों में जाकर पानी मांगने को मजबूर है.स्थानीय निवासी शबाना बेगम बताती हैं कि उनके मोहल्ले में वर्षों पहले पाइपलाइन डाली गई थी, लेकिन उसमें कभी पानी नहीं आया. पिछले सात-आठ सालों से उनका परिवार अपने खर्च पर टैंकर मंगवाकर पानी पी रहा है. उनका कहना है कि कई बार पार्षद और नगर पालिका से शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल

आश्वासन मिला, समाधान नहीं. मोहल्ले की प्रेमलता वर्मा के मुताबिक स्थिति इतनी खराब है कि लोगों को पानी के लिए दूसरे घरों और दूर के बोरिंगों का सहारा लेना पड़ता है. वे कहती हैं कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि वोट मांगने जरूर आते हैं, लेकिन उसके बाद वार्ड की समस्या किसी को याद नहीं रहती. सबसे ज्यादा नाराजगी इस बात को लेकर है कि पानी नहीं मिलने के बावजूद नगर पालिका नियमित रूप से टैक्स वसूल रही है. वार्ड निवासी शेख इस्माइल बताते हैं कि वे पिछले सात वर्षों से पानी खरीदकर पी रहे हैं और अब तक करीब एक लाख सत्तर हजार रुपये सिर्फ पानी पर खर्च कर चुके हैं. उनका कहना है कि हर कुछ दिनों में टैंकर बुलाना पड़ता है, जिसका भारी खर्च उठाना पड़ता है. इसके बावजूद नगरपालिका का टैक्स समय पर जमा करना पड़ता है, जबकि बदले में सुविधा शून्य है.

मोदी कैबिनेट ने इन प्रस्तावों को दी मंजूरी

पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना को मिली गई मंजूरी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को देश के बुनियादी ढांचे और कृषि क्षेत्र की सूरत बदलने वाले कई फैसलों पर मुहर लगाई गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन फैसलों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सरकार का मुख्य ध्यान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और भविष्य की औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने पर है। कैबिनेट ने अहमदाबाद (सरखेज) से धोलेरा के बीच देश की पहली स्वदेशी सेमी

हाई-स्पीड डबल लाइन रेल परियोजना को मंजूरी दी है, जिसकी लागत लगभग 20,667 करोड़ रुपये होगी। 134 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन गुजरात के 284 गांवों के करीब 5 लाख लोगों को लाभान्वित करेगी और धोलेरा को एक बड़े सेमीकंडक्टर हब के रूप में स्थापित करने के साथ-साथ धोलेरा एयरपोर्ट और लोथल मैरीटाइम कॉम्प्लेक्स को भी कनेक्टिविटी देगी। पर्यावरण की दृष्टि से भी यह प्रोजेक्ट बेहद खास है क्योंकि इससे हर साल 0.48 करोड़ लीटर तेल की बचत होगी, जो 10 लाख पेड़ लगाने के बराबर प्रभाव पैदा करेगा। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के लिए सरकार ने साल 2026-27 के लिए खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य को हरी झंडी दे दी है। कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सिफारिशों को मानते हुए, नई एमएसपी को उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक रखा गया है।

तापस राय बने बंगाल विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर

कोलकाता। मानिकतला से बीजेपी विधायक तापस राय को पश्चिम बंगाल विधानसभा का नया प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। शाम राजभवन में राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस द्वारा पद की शपथ दिलाई गई। 18वीं बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने की जिम्मेदारी उन्हीं की होगी। प्रोटेम स्पीकर के रूप में राय ही इस बार नवनिर्वाचित विधायकों को विधानसभा में शपथ दिलाएंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले तापस राय ने हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में कोलकाता की मानिकतल्ला सीट से पूर्व मंत्री दिवंगत साधन पांडेय की बेटी श्रेया पांडेय को हराकर निर्वाचित हुए हैं।

बीजेपी अध्यक्ष भी रहे मौजूद

5वीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली रंगासामी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

एन. रंगासामी के शपथ ग्रहण समारोह में कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहीं, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी शामिल थे। इस अवसर पर समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। रंगासामी के नेतृत्व में नई सरकार से विकास और जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने साल, 1990 में चुनावी राजनीति में कदम रखा था। पहला चुनाव

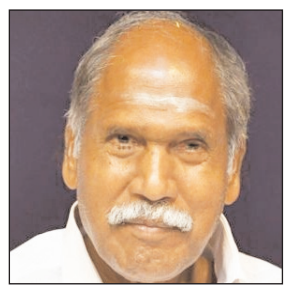

थट्टनचावडी निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा। इसमें उनकी हार हुई थी। पहली हार के एक साल बाद ही वे दोबारा उसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनावी मैदान में उतरे और जीत हासिल की। इस प्रकार, साल 1991 में पहली बार वे पुडुचेरी विधानसभा पहुंचे। इस जीत ने उनके एक लंबे राजनीतिक करियर के दरवाजे खोल दिए। इस जीत के बाद उनको पर्यटन, शिक्षा, कृषि, सहकारिता और लोक निर्माण जैसे विभागों की जिम्मेदारी मिली। इससे उन्हें शासन के अलग-अलग क्षेत्रों का अनुभव मिला। यह अनुभव बाद में उनके मुख्यमंत्री बनने पर बहुत फायदेमंद साबित हुआ। पहले चुनाव लड़ने के दस साल बाद साल 2001, में कांग्रेस पार्टी ने पहली बार रंगासामी को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद साल, 2006 के चुनाव में भी शानदार वापसी करते हुए वे लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने और कार्यकाल पूरा किया।

नौ साल बाद चीन की धरती पर ट्रंप

एलन मस्क और टिम कुक के साथ बीजिंग पहुंचे राष्ट्रपति डोनाल्ड

नई दिल्ली/ एजेंसी

नौ साल बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी पहली आधिकारिक चीन यात्रा पर एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बुधवार को बीजिंग पहुंचे हैं, जहां 2024 में सत्ता में लौटने के बाद उनकी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से यह दूसरी मुलाकात होगी। इस हाई-प्रोफाइल शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं क्योंकि यह वैश्विक कूटनीति और आर्थिक स्थिरता के लिए एक बेहद नाजुक समय पर हो रहा है। जैसे ही राष्ट्रपति का विमान 'एयर फोर्स वन' चीनी राजधानी की धरती पर उतरा, वहां का माहौल पूरी तरह से कूटनीतिक सरगर्मियों से भर गया। चीन ने राष्ट्रपति ट्रंप का जिस तरह से भव्य और शाही स्वागत किया, वह इस बात का संकेत है कि दोनों देश वर्तमान वैश्विक तनाव के बीच भी आर्थिक सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशने के लिए उत्सुक हैं। व्हाइट हाउस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, बीजिंग के हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति ट्रंप का स्वागत करने के लिए चीन की ओर से शीर्ष स्तर के अधिकारियों का एक बड़ा दल मौजूद था। इस भव्य स्वागत समारोह का नेतृत्व चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग ने किया। उनके साथ वाशिंगटन में चीन के राजदूत शी फेंग, विदेश मंत्रालय के कार्यकारी उप मंत्री मा झाओक्सू और बीजिंग में अमेरिकी दूत डेविड परड्यू भी मौजूद रहे, जिन्होंने औपचारिक प्रोटोकॉल के अनुसार राष्ट्रपति का

गर्मजोशी से अभिनंदन किया। चीन ने इस स्वागत समारोह को एक विशाल सांस्कृतिक और सैन्य आयोजन का रूप दिया। हवाई अड्डे पर लगभग 300 चीनी युवाओं ने उत्साहपूर्वक राष्ट्रपति का स्वागत किया। इस दौरान एक अनुशासित सैन्य सम्मान गार्ड और एक मिलिट्री बैंड ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से इस अवसर को और भी गरिमापूर्ण और यादगार बना दिया। यह भव्यता स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि चीन इस शिखर सम्मेलन को कितनी गंभीरता और कूटनीतिक महत्व दे रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता उनके साथ आया वह प्रतिनिधिमंडल है जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। इस प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी कॉरपोरेट जगत के 16 सबसे प्रभावशाली नाम शामिल हैं, जिनमें टेस्ला के एलन मस्क और एप्पल के सीईओ टिम कुक सबसे प्रमुख हैं। मस्क की इस यात्रा में भागीदारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है। गौरतलब है कि मस्क पहले भी ट्रंप प्रशासन में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य कर चुके हैं और उन्होंने संघीय नौकरशाही में सुधारों का नेतृत्व किया था। हालांकि, पिछले साल कुछ मतभेदों के कारण उन्होंने पद छोड़ दिया था लेकिन हाल के महीनों में दोनों के बीच फिर से बढ़ी नजदीकी इस यात्रा के जरिए दुनिया के सामने आ गई है।

गुरुवार को द्विपक्षीय वार्ता के लिए आमने-सामने बैठेंगे

इस पूरी यात्रा का सबसे निर्णायक हिस्सा गुरुवार को होने वाला है, जब राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्विपक्षीय वार्ता के लिए आमने-सामने बैठेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच एक औपचारिक भोज का भी आयोजन किया जाएगा, जो कूटनीतिक रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने का काम कर सकता है। वार्ता का मुख्य केंद्र आर्थिक सहयोग को और अधिक गहरा करना और नई व्यापारिक पहलों के लिए रास्ते खोलना है। अमेरिकी अधिकारियों के संकेतों के अनुसार, ट्रंप इस दौरान चीन के साथ नए 'निवेश और व्यापार बोर्डों' के गठन के प्रस्ताव पर भी विस्तार से चर्चा कर सकते हैं।

घीवरी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में नागरिकों से किया सीधा संवाद, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

जनता की समस्याओं का संवेदनशीलता से करें निराकरण : विधायक ईश्वर साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

साजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक ईश्वर साहू ने आज जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत घीवरी में आयोजित ÷जनसमस्या निवारण शिविर÷ में शामिल होकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने राशन कार्ड, पेंशन, पेयजल, बिजली, सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। विधायक श्री साहू ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर वास्तविक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर विधायक श्री ईश्वर साहू ने कहा कि शासन द्वारा आम जनता के हित में अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं और इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होने से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

÷सुशासन तिहार÷ सुशासन का उत्सव : विधायक-विधायक श्री साहू ने ÷सुशासन तिहार÷ को आम जनता की समस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रशासन स्वयं गांव तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करे। उन्होंने कहा कि ÷हमारी सरकार का मुख्य ध्येय जनता की सेवा है। 'सुशासन तिहार' के माध्यम से प्रशासन को जनता के द्वार तक लाया गया है, ताकि पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके।÷

अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश-शिविर में मौजूद विभिन्न विभागों के अधिकारियों को विधायक श्री साहू ने निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित समाधान एवं मौके पर ही समस्याओं के निराकरण पर विशेष जोर दिया। विधायक श्री साहू ने कहा कि शिविर का उद्देश्य केवल आवेदन लेना नहीं, बल्कि समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है। साथ ही लोगों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना और जनता एवं प्रशासन के बीच की दूरी को कम करना भी इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ-जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान अनेक हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा सुकन्या समृद्धि योजना अंतर्गत पंजीयन कार्ड वितरित किए गए। स्थानीय नागरिकों ने जनसमस्या निवारण शिविर की सराहना करते हुए इसे आम जनता के लिए उपयोगी एवं राहत प्रदान करने वाली पहल बताया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बेमेतरा कबड्डी प्रीमियर लीग का हुआ समापन

खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने खिलाड़ियों से मिलकर पुरस्कार वितरित किये

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले के ग्राम घुरसेना में 10 मई से 12 मई 2026 तक बेमेतरा कबड्डी प्रीमियर लीग 2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले सहित विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित खेलो इंडिया लघु केंद्र भिम्भौरी एवं जनता हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र गजेंद्र यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बेहतरीन रेडिंग और मजबूत डिफेंस के आधार पर उन्हें प्रतियोगिता का ÷मैन ऑफ द सीरीज÷ चुना गया तथा पुरस्कार स्वरूप रेंजर सायकल प्रदान की गई। गजेंद्र यादव खेलो इंडिया केंद्र में प्रशिक्षक कामता प्रसाद के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। एम.पी. क्लब घुरसेना द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय निर्णायक नारायण यादव सहित राज्य स्तरीय निर्णायक अंकित निर्मलकर, भानु यादव, उमेश साहू, सोनू साहू, जे.आर. रजक, धनेन्द्र, मुकेश्वर, रुपेश यादव एवं केदार वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर आयोजन की सराहना की। जिला खेल अधिकारी पिंकी मनहर तथा सहायक जिला खेल अधिकारी उपेन्द्र सेंगर ने आयोजन की सफलता पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रायगढ़ में 'बिल घोटाले' का बड़ा खेल! पंचायतों में फर्ज़ी बिलों से सरकारी खजाने पर डाका?

भ्रष्टाचार छुपाने के लिए जनपद के अधिकारियों के द्वारा आवेदक को नहीं दी जा रही है जांच प्रतिवेदन

रायगढ़ /मूक पत्रिका

जनपद पंचायत रायगढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत टारपाली में सरकारी राशि के बंदरबांट का बड़ा मामला सामने आया है मालाकार ट्रैवल्स, सुरेश पटेल, गणेश राम साहू, गोकुल कुराल, ग्लोबल कंप्यूटर एवं ऑनलाइन डाटा मेंटिनेस सर्विस, साहू फोटोकापी एंड स्टेशनरी, पुरुषोत्तम साहू के नाम पर लगाए जा रहे संदिग्ध बिलों ने पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ही फर्म के नाम से लगातार सामने आ रहे बिलों को लेकर अब पंचायत प्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक गलियारों तक हलचल तेज हो गई है। मामले की जांच पड़ताल में कई फर्म के बिल सबसे ज्यादा संदेह के घेरे में हैं। इन बिलों में सबसे चौंकाने वाली बात यह बताई जा रही है कि अनिवार्य त्रस्त्र (ष्ट्रत्रस्त्र/स्त्रस्त्र) का कहीं उल्लेख नहीं है। इतना ही नहीं, टैक्स संबंधी कॉलम को पेन से काट दिए जाने की बात भी सामने आई है, जिससे पूरे भुगतान प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। लेकिन आरोप है कि यहां केवल एकमुश्त राशि लिखकर बिल प्रस्तुत कर दिए गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायतों में फर्जी बिलिंग के जरिए शासकीय राशि के दुरुपयोग का संगठित खेल चल रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी बिना सत्यापन के इन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर रहे हैं?

जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी कर रहे है जांच प्रतिवेदन देने मे आना-कानी

टारपाली पंचायत में फर्जी बिल के मामले मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने लिया संज्ञान, किया जांच टीम का गठन

फॉलोअप

रायगढ़/मूक पत्रिका

मामला ग्राम पंचायत टारपाली का है आवेदक द्वारा फर्जी बिल संबंधित शिकायत 31/01/26 को की गई थी फिर इस मामले मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा जांच टीम गठित की गई लेकिन बिडंबना यह है की लगभग डेढ़ माह बीत जाने के बाद आवेदक को जांच प्रतिवेदन देने के लिए आना-कानी की जा रही है

इससे क्या स्पष्ट होता है कि फर्जी बिल मामले में सरपंच व सचिव को खुला संरक्षण दिया जा [illegible] संरक्षण के कारण सरपंच [illegible] हौसले बुलंद है हैरानी [illegible] बात क्या है कि ग्राम पं[illegible] टार[illegible] बिल संबंधित [illegible] किया गया [illegible] अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा मे लिन है सवाल यह उठता है कि क्या इन भ्रष्टाचारियों को जनपद पंचायत के उच्च अधिकारी का संरक्षण प्राप्त है या फिर जनपद पंचायत के अधिका[illegible] के [illegible] अपने [illegible] व [illegible] को बचाया जा रहा [illegible] शिकायत के बावजूद जांच प्रतिवेदन देने में आना-कानी करना समझ से परे है यह जनपद पंचायत के कार्य प्रणाली पर गलत संदेश पैदा करता है यह मामला केवल अनियमित का नहीं है बल्कि ग्रामीण के विकास के साथ धोखाधड़ी का है क्या जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को संज्ञान में लेकर निष्पक्ष जांच करेंगे या फिर तरपाली पंचायत के भ्रष्टाचारियों को भी अन्य पंचायतो की तरह अभयदान देकर इस मामले को दबा दिया जायेगा. बहरहाल आगे यहां देखना होगा कि संबंधित जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में आवेदक को जांच प्रतिवेदन कब तक देते हैं व जिम्मेदार अधिकारी फिर भ्रष्टाचारियों के ऊपर कब और किस प्रकार के कार्यवाही करते हैं

जांच हुई तो खुल सकते हैं कई बड़े राज-मामला अब सिर्फ चर्चा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जांच की मांग तेज हो गई है। जानकारों का मानना है कि यदि इन बिलों की निष्पक्ष जांच कराई गई तो पंचायतों में चल रहे भ्रष्टाचार के कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बिना जांच-पड़ताल के संदिग्ध बिलों का भुगतान करने वाले सरपंच और सचिव भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं। इस मामले में पूर्व में लिखित शिकायत हो चुकी है व शिकायत की जांच प्रतिवेदन मांगी जा चुकी है लेकिन मजे की बात यह है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रायगढ़ के अधिकारियों को जांच प्रतिवेदन देने का समय नहीं है या फिर भ्रष्टाचार में संलिप्त सरपंच व सचिव को बचाया जा रहा है . प्राप्त जानकारी के अनुसार सरपंच, सचिव का कहना है की बिना कमीशन के जनपद में तो कमीशन के काम ही नहीं मिलता काम के एवज में 15त्न की राशि खुलकर मांगते हैं अब हम सरपंच क्या करें काम एवज में 15त्न की राशि अधिकारियों को देनी पड़ती है.झ्भुगतान से पहले जरूरी जांच के बिंदु-फर्म का त्रस्त्र नंबर वैध और सक्रिय है या नहीं बिल में कार्यस्थल, सामग्री और दिनांक का स्पष्ट उल्लेख है या नहीं मौके पर कार्य वास्तव में हुआ है या सिर्फ कागजों में दिखाया गया है सामग्री और भुगतान राशि का भौतिक सत्यापन किया गया या नहीं अब प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है निगाहें रायगढ़ जनपद में कथित ÷बिल कांड÷ अब बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। आम लोगों के बीच सवाल उठ रहा है कि प्रशासन इन कागजी खेल करने वालों पर कार्रवाई करेगा या फिर सरकारी राशि के दुरुपयोग का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना नंदघाट अंतर्गत रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्र बुंदेला 01 , ग्राम पंचायत बुंदेला में 01 आंगनबाड़ी सहायिका का पद रिक्त है, इसी प्रकार आगनबाड़ी केन्द्र अमोरा 01, ग्राम पंचायत अमोरा में 01 पद आगनबाड़ी सहायिका के पद रिक्त हैं, जिस पर शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया नवीन ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। अभ्यर्थी 13 मई 2026 से 27 मई 2026 तक निर्धारित पोर्टल https:://aww.e-bharti.in/ पर जाकर आवश्यक दस्तावेजों सहित पंजीयन कर आवेदन कर सकती हैं। आवेदन की पूरी प्रक्रिया ई-भर्ती पोर्टल के यूज़र मैनुअल में उपलब्ध है। आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इस पद के लिए वही महिलाएं आवेदन करने की पात्र होंगी जो संबंधित ग्राम पंचायत या वार्ड की स्थानीय निवासी हों, जिस वार्ड/ग्राम में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूर्ण आवास हितग्राहियों को सौंपे गए प्रमाण पत्र एवं चाबियां

- सुशासन तिहार में हितग्राहियों को मिली सपनों के घर की चाबी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित ÷सुशासन तिहार÷ के अंतर्गत ग्राम पंचायत ढोलिया में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनपद पंचायत बेमेतरा अध्यक्ष श्रीमती हेमा जय दिवाकर ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए विकास कार्यों की समीक्षा की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (क्क्रू-त्र) के तहत आवास निर्माण पूर्ण कर चुके हितग्राहियों को उनके नए पक्के मकानों की चाबियां एवं आवास पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान करना रहा। इस दौरान तीन हितग्राहियों को सम्मानपूर्वक उनके सपनों के घर की सौगात दी गई। मुख्य अतिथि श्रीमती हेमा जय दिवाकर ने हितग्राहियों को बधाई देते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य प्रत्येक गरीब परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ÷सुशासन तिहार÷ के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि योजनाओं का लाभ पारदर्शिता एवं सरल प्रक्रिया के साथ सीधे आम जनता तक पहुंचे। आवास की चाबी एवं स्वामित्व प्रमाण पत्र प्राप्त कर हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे उनके जीवन में बड़ा बदलाव बताया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, जनपद पंचायत एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। पंचायत स्तर पर आयोजित इस आयोजन ने शासन और प्रशासन के प्रति ग्रामीणों के विश्वास को और अधिक मजबूत किया।

सट्टे की काली कमाई को व्हाइट करने वाला करण चौधरी का नेटवर्क धवस्त, साथी पुस्कर अग्रवाल और सुनील अग्रवाल का हवाला कनेक्शन के सबूत, तीनों गिरफ्तार

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के सबसे बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी और उससे जुड़े आर्थिक अपराधों पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए रायगढ़ पुलिस ने एक संगठित सट्टा सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में साइबर सेल, कोतवाली और अन्य पुलिस टीमों द्वारा की गई विस्तृत जांच में यह खुलासा हुआ कि जिले में संचालित ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा केवल जुए तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके जरिए करोड़ों रुपये के अवैध लेनदेन, ब्लैक मनी के संचलन, हवाला नेटवर्क और आर्थिक अपराधों का पूरा संगठित तंत्र सक्रिय था। इस कार्रवाई में पुलिस ने सट्टे से अर्जित अवैध धन को वैध स्वरूप देने के प्रमाण जुटाते हुए तीन प्रमुख आरोपियों—करन चौधरी, पुष्कर अग्रवाल और सुनील अग्रवाल—को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 1 करोड़ 2 लाख 81 हजार 300 रुपये नकद, एक नोट गिनने की मशीन, चार मोबाइल फोन तथा अन्य सामग्री सहित कुल 1 करोड़ 3 लाख 86 हजार 300 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। जाने पूरा मामला-पूरा ज्ञात हो कि दिनांक 26 अप्रैल को साइबर सेल, थाना कोतवाली और थाना घरघोड़ा की संयुक्त टीम ने रायगढ़ शहर एवं घरघोड़ा क्षेत्र में ऑनलाइन आईपीएल सट्टा नेटवर्क पर एक साथ दबिश देकर छह आरोपियों क्क 1. सोनू देवांगन पिता रूपेन्द्र देवांगन उम्र 21 वर्ष निवासी नया गंज कोष्टापारा रायगढ़ थाना कोतवाली रायगढ़ 2. हर्षित देवांगन पिता स्व0 अनन्त राम देवांगन उम्र 24 वर्ष पेशा कैफे सेन्टर निवासी नया गंज कोष्टापारा रायगढ़ 3. भरत गोयल पिता सुभाष गोयल उम्र 22 साल सा. लैलुंगा रोड घरघोडा 4.गौतम भोजवानी पिता श्याम भोजवानी उम्र 26 साल सा. कन्या शाला के पीछे साईराम कालोनी घरघोडा 5. लक्ष्मीनारायण सिदार पिता चंदन सिंह उम्र 28 साल सा. वार्ड नं. 13 घरघोडा 6. सागर गुप्ता पिता विनोद गुप्ता उम्र 27 साल सा. वार्ड नं. 02 कन्या शाला के पीछे घरघोडा 7 मोबाईल कीमती करीब ढाई लाख रूपये नगदी रकम-15,490 रूपये की जप्ती हुई थी । मामले में आरोपियों के विरूद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 218/2026 धारा 4, 7 छ0ग0 जुआ प्रतिषेध अधिनियम और थाना घरघोड़ा में अपराध क्रमांक 147/2026 और 148/2026 धारा 7 छ0ग0 जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई किया गया । प्रारंभिक कार्रवाई में मोबाइल फोन, डिजिटल ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड और नगदी बरामद हुई थी। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने रायगढ़ के खाईवाल करन चौधरी और जसमीत सिंह बग्गा उर्फ गुड्डा सरदार के इशारे पर पूरे नेटवर्क के संचालन की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने टेक्निकल इनपुट, कॉल डिटेल, चैट रिकॉर्ड, डिजिटल ट्रेल और फाइनेंशियल एनालिसिस के जरिए पूरे सिंडिकेट की परत-दर-परत जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपी करन चौधरी लंबे समय से रायगढ़, सक्ती, रायपुर, बिलासपुर से लेकर दिल्ली तक फैले नेटवर्क के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे का संचालन कर रहा था। सट्टे से प्राप्त बड़ी रकम को सीधे अपने पास न रखकर वह परिचित कारोबारियों, पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर और अन्य व्यावसायिक चैनलों के माध्यम से कैश डंप करता था, जिसे बाद में हवाला चैनल के जरिए आगे ट्रांसफर किया जाता था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि कृष्ण प्राइड टावर में रहने वाले पुष्कर अग्रवाल और उसके पिता सुनील अग्रवाल इस पूरे मनी मूवमेंट नेटवर्क के अहम हिस्से थे और सट्टे से प्राप्त ब्लैक मनी को हवाला के जरिए व्हाइट करने का कार्य कर रहे थे।

जनसमस्या निवारण शिविर बना सुशासन और जनसेवा का सशक्त मंच

विधायक दीपेश साहू ने सुनीं आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन की मंशानुसार आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बेमेतरा द्वारा बेसिक स्कूल मैदान स्थित गांधी भवन में भव्य जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनसेवा का प्रभावी उदाहरण बनकर उभरा, जहां बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं और मांगें लेकर पहुंचे। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 01 से 07 तक के नागरिकों ने शिविर में भाग लेकर अपनी विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से प्रशासन को अवगत कराया। शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों द्वारा मौके पर कार्रवाई की गई, जिससे आमजन में संतोष और उत्साह देखने को मिला 7 कार्यक्रम मे विधायक साहू स्वयं शिविर में पहुंचे और आमजन की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से आवेदनों के निराकरण की विस्तृत जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर त्वरित रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु है। ऐसे शिविरों के माध्यम से प्रशासन स्वयं जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है, जिससे लोगों का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो रहा है।

÷जनता की सेवा ही हमारा संकल्प है÷ — विधायक दीपेश साहू-शिविर को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति अपने अधिकार और सुविधा के लिए भटकने को मजबूर न हो, यही सुशासन का मूल उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य किया जाए ताकि लोगों को त्वरित राहत मिल सके। विधायक साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा और बुजुर्ग सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा किसी भी समस्या के लिए प्रशासन से सीधे संपर्क करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि ÷जनप्रतिनिधि और प्रशासन का दायित्व है कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएं।÷

विभिन्न विभागों के स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र-शिविर में कार्यपालन अभियंता, पुलिस विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, लीड बैंक, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, पशुधन विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) सहित विभिन्न विभागों द्वारा जानकारी एवं सेवा शिविर लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। शिविर में नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभ वितरण किया गया। साथ ही आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए तथा बालिकाओं को पासबुक वितरित की गई।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान-कार्यक्रम के दौरान कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को विधायक दीपेश साहू द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी है और मेहनत, अनुशासन तथा लगन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा — जनता और शासन के बीच मजबूत हो रहा विश्वास-नगर पालिका अध्यक्ष सिन्हा ने भी शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की संयुक्त पहल से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से न केवल लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, बल्कि शासन के प्रति जनता का विश्वास भी लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए आमजन की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। सुशासन और जनकल्याण की दिशा में प्रभावी पहल-शिविर में वार्ड क्रमांक 01 से 07 तक के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया। जनसमस्या निवारण शिविर जनसेवा, सुशासन और संवेदनशील प्रशासन की दिशा में एक प्रभावी एवं सराहनीय पहल के रूप में सफल रहा।

बेमेतरा जिले में 24 हजार से अधिक कृषकों को वितरित किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्ड

वैज्ञानिक मृदा परीक्षण से किसानों को मिल रही संतुलित उर्वरक उपयोग एवं बेहतर उत्पादन की जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करने एवं भूमि की उर्वरता बनाए रखने के उद्देश्य से जिले में मृदा परीक्षण अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। कृषि विभाग अंतर्गत संचालित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से कृषकों से मृदा नमूने प्राप्त कर उनका वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है। विश्लेषण उपरांत किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें अपनी भूमि की गुणवत्ता एवं आवश्यक पोषक तत्वों की सटीक जानकारी मिल रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों के लिए खेती का वैज्ञानिक मार्गदर्शक बनकर सामने आया है। इसके माध्यम से कृषकों को संतुलित उर्वरक उपयोग, फसलवार पोषक तत्व प्रबंधन तथा उत्पादन लागत कम करने में सहायता मिल रही है। इससे न केवल कृषि उत्पादन में वृद्धि हो रही है, बल्कि भूमि की उर्वरता एवं गुणवत्ता में भी सुधार देखा जा रहा है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले के कृषकों को अब तक कुल 8074 मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं। वहीं पिछले तीन वर्षों में जिले के 24074 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।

ग्राम स्तर पर चलाया जा रहा जागरूकता अभियान-कृषि विभाग द्वारा किसानों को मृदा परीक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार ग्राम स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 5 मई से 20 मई 2026 तक जिले के 104 ग्रामों में ÷विकसित कृषि संकल्प अभियान÷ संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत कृषि अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम किसानों से सीधे संपर्क कर उन्नत कृषि तकनीकों के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व एवं उपयोग की जानकारी दे रही है। अभियान के दौरान किसानों को बताया जा रहा है कि नियमित मृदा परीक्षण से भूमि में उपलब्ध पोषक तत्वों की सही जानकारी मिलती है, जिससे आवश्यकता अनुसार उर्वरकों का उपयोग किया जा सकता है। इससे अनावश्यक उर्वरक खर्च कम होने के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता में भी सुधार होता है।

वैज्ञानिक पद्धति अपनाने की अपील-जिले के उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने कृषकों से अपील की है कि वे अपनी भूमि का नियमित मृदा परीक्षण कराकर वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन से भूमि की उत्पादकता लंबे समय तक बनी रहती है तथा खेती अधिक लाभकारी बनती है।उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना किसानों को वैज्ञानिक खेती की दिशा में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है और इससे टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिल रहा है।

डॉ. आलोक केडिया सोनोग्राफी सेंटर' का 'No Refund' फ्रॉड..!!

क्षमता से ज्यादा पर्ची काटकर खुली लूट, परेशान मरीज पैसा छोड़ने को मजबूर

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर के नामी 'डॉ. आलोक केडिया सोनोग्राफी सेंटर' में मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाकर उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का एक खौफनाक खेल चल रहा है, फेसबुक लाइव और सोशल मीडिया पर फूटे जनता के गुस्से ने इस सेंटर की तानाशाही की पोल खोल दी है,सेंटर में बिना एडवांस पैसे के किसी भी मरीज की एंट्री नहीं होती, मरीजों को झांसे में रखकर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोगों की पर्ची काट दी जाती है,हालत यह है कि घंटों के लंबे इंतजार से मरीज इतना प्रताड़ित हो जाते हैं कि वे अपनी जमा की हुई, भारी-भरकम फीस वहीं छोड़कर बिना सोनोग्राफी कराए वापस लौटने में ही अपनी भलाई समझते हैं।

.बिना पैसे एंट्री नहीं, झांसे में रखते हैं-जानकारी के अनुसार, इस सेंटर में इलाज से पहले पैसों की वसूली पर पूरा फोकस होता है,किसी भी मरीज की बिना एडवांस पेमेंट के एंट्री नहीं होती। सोनोग्राफी का चार्ज 1200 रुपये से शुरू होता है, दूर-दराज के गांवों से आए मरीजों को पहले इस झांसे में रखा जाता है कि उनका नंबर जल्दी आ जाएगा, और इस तरह उनसे पहले ही पैसे जमा करवा लिए जाते हैं।

क्षमता से ज्यादा पर्ची और No Refund का खेल-पैसों की हवस इस कदर हावी है कि सेंटर को अपनी क्षमता का पता होने के बावजूद, वे दिन भर में लिमिट से कई गुना ज्यादा मरीजों की पर्ची काट देते हैं, सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि सेंटर ने अपनी रसीद पर और अंदर एक बोर्ड लगाकर इस बात को हाईलाइट किया हुआ है कि ÷पैसा वापस नहीं होगा÷ । यानी एक बार उन्होंने आपको झांसे में लेकर पैसे ले लिए, तो आप उनकी शर्तों में पूरी तरह फंस जाते हैं।

प्रताड़ना ऐसी कि पैसा छोड़कर भाग रहे मरीज-पैसा जमा करने के बाद मरीजों और उनके परिजनों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है, सुबह 10 बजे पैसा देने वाला मरीज शाम के 6 बजे तक दर्द से तड़पता रहता है,इस लंबे इंतजार और सेंटर के स्टाफ की बदतमीजी से मरीज इस कदर प्रताड़ित हो जाते हैं कि उनका सब्र टूट जाता है, अंत में, 'पैसा वापस नहीं होगा' वाले नियम के सामने मजबूर होकर, कई मरीज अपना जमा किया हुआ 1200 से ज्यादा का पैसा सेंटर में ही छोड़कर, बिना सोनोग्राफी कराए वापस लौटने में भलाई समझते हैं,सेंटर संचालक इसी 'प्री के पैसे' और मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं।

खनिजों के अवैध गतिविधियों पर की गई कार्रवाई, 5 हाईवा एवं 7 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न क्षेत्रों में औचक जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में संलिप्त 5 हाईवा एवं 7 ट्रैक्टर जब्त किया गया। खनिज अधिकारी ने बताया कि केवा नवापारा क्षेत्र में जांच के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 04 हाईवा वाहन जब्त कर पुलिस लाइन खोखरा एवं चांपा थाना में सुरक्षार्थ रखा गया। इसी प्रकार तहसील बलौदा अंतर्गत केराकछार क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 01 हाईवा वाहन जब्त कर थाना पंतोरा में सुरक्षित रखा गया। इसके अतिरिक्त 02 ट्रैक्टर गिट्टी एवं 01 ट्रैक्टर ईंट का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर बलौदा थाना के सुपुर्द किया गया। रेत के अवैध परिवहन पर कार्रवाई करते हुए 01 ट्रैक्टर भी जब्त किया गया। वहीं तहसील बम्हनीडीह क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान ईंट का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 03 ट्रैक्टर जब्त कर थाना बम्हनीडीह की अभिरक्षा में सौंपा गया। कलेक्टर के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के संबंध में खनिज विभाग द्वारा निरंतर जांच कार्यवाही की जा रही है, जो कि आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगी।

सुशासन तिहार में जनता की समस्या का तुरंत समाधान करें : कलेक्टर विश्वदीप

पहली समय-सीमा बैठक में अफसरों को दिए निर्देश, योजनाओं और निर्माण कार्यों की समीक्षा

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के नवपदस्थ कलेक्टर विश्वदीप ने मंगलवार को पहली समय-सीमा बैठक लेते हुए अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि सुशासन तिहार के दौरान जनता से मिलने वाले आवेदनों का समय पर और गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान में लापरवाही नहीं होनी चाहिए और हर आवेदन को गंभीरता से लिया जाए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने जिले में चल रहे विकास कार्यों और शासन की योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविरों में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाकर उनकी समस्याएं सुनी जाएं और निराकरण की जानकारी संबंधित हितग्राहियों तक भी पहुंचे। कलेक्टर ने ÷बस्तर मुन्ने÷ अभियान की समीक्षा करते हुए पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित नहीं रहना चाहिए। बैठक में पीएमजीएसवाई, लोक निर्माण विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र परिवारों को इससे जोड़ने पर जोर दिया।कलेक्टर विश्वदीप ने अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने तथा बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था में अनुशासन और जवाबदेही जरूरी है।बैठक में जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, नक्सल पीड़ित परिवारों के पुनर्वास समेत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। साथ ही अधिकारियों को रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रेडक्रॉस की सदस्यता लेने के लिए भी कहा गया।

बैठक में डीएफओ रमेश जांगड़े, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में इन मुद्दों पर रहा फोकस

* सुशासन तिहार में आवेदनों का त्वरित निराकरण
* 'बस्तर मुन्ने' अभियान में शत-प्रतिशत सैचुरेशन
* निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और मॉनिटरिंग
* प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना का प्रचार
* जल जीवन मिशन और आवास योजनाओं की समीक्षा
* रक्तदान जागरूकता और रेडक्रॉस सदस्यता अभियान

देवरबीजा में राजपूत क्षत्रियों का महासमागम, सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती आज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राजपूत क्षत्रिय समाज द्वारा ग्राम देवरबीजा में सम्राट पृथ्वीराज चौहान जी का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। यह आयोजन जेष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी, दिनांक 14 मई 2026, दिन गुरुवार को परमेश्वरी भवन, बाजार चौक देवरबीजा में आयोजित होगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भर से राजपूत क्षत्रिय एवं क्षत्राणियां एकत्रित होकर भारत के अंतिम हिंदू सम्राट एवं क्षत्रिय कुलभूषण सम्राट पृथ्वीराज चौहान जी की जयंती उत्साहपूर्वक मनाएंगे। समाजजनों में आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी श्री ज्जयोंतिमर्यान्द सरस्वती महाराज उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में साजा विधायक ईश्वर साहू, बेमेतरा विधायक साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती खुशबू गोविंद वर्मा, जनपद सदस्य बेरला श्रीमती प्रेमलता गुलाब मंडावी, बेमेतरा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा जी तथा ग्राम पंचायत देवरबीजा के सरपंच हेमलाल देवांगन जी शामिल होंगे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपूत क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष श्री गणेश सिंह चौहान जी की विशेष उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न होगा। आयोजन समिति द्वारा समाज के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

सड़क पर दिखी पुलिस की इंसानियत, एसपी ने घायल युवक को स्वयं वाहन से पहुंचाया अस्पताल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में पुलिस की संवेदनशील और मानवीय छवि उस समय सामने आई, जब प्रभारी पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल ने सड़क दुर्घटना में घायल युवक की तुरंत मदद कर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। शासकीय कन्या महाविद्यालय जांजगीर के मेन रोड पर दोपहर करीब 2:15 बजे एक मोटरसाइकिल चालक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसी दौरान पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल मौके से गुजर रही थीं। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने बिना देरी किए घायल युवक को अपने शासकीय वाहन में बैठाया और सीधे जिला अस्पताल जांजगीर पहुंचाया। अस्पताल पहुंचते ही पुलिस अधीक्षक ने चिकित्सकों को घायल के तत्काल और बेहतर उपचार के निर्देश दिए, जिससे समय रहते इलाज शुरू हो सका। उनकी इस पहल से यह संदेश गया कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था की ही नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्यों की भी जिम्मेदारी निभा रही है। पुलिस अधीक्षक की तत्परता और संवेदनशीलता की आमजन द्वारा सराहना की जा रही है। समय पर सहायता मिलने से घायल युवक की हालत में सुधार है और उसने पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया है।

सूने मकान में लाखों के जेवरात चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, चक्रधरनगर पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

रायगढ़/मूक पत्रिका

चक्रधरनगर पुलिस ने सूने मकान में ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से चोरी का माल, नगदी रकम, घटना में प्रयुक्त वाहन तथा अन्य सामग्री बरामद की है।

9 मई को चोरी की आयी थी रिपोर्ट-प्रार्थी संतोष कुमार देवांगन, निवासी विनोबा नगर ने थाना चक्रधरनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 8 मई को वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रिश्तेदारी में गया था। घर सूना होने का फायदा उठाकर अज्ञात आरोपियों ने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया, कमरे की खिड़की और अलमारी तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। चोरी गए जेवरातों की कुल कीमत लगभग 70 हजार रुपये बताई गई। रिपोर्ट पर थाना चक्रधरनगर में अपराध क्रमांक 224/2026 धाराः- 331 (4), 305 (ए), बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

चक्रधरनगर पुलिस के सक्रिय मुखबीर तंत्र से जांच में खुलासा-विवेचना के दौरान मुखबिर सूचना और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर पुलिस ने आरोपी रोशन सिंह, शिवा सोनी और धरमदास महंत उर्फ प्रेम को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म स्वीकार करते हुए चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता कबूल की। आरोपियों के मेमोरेंडम पर सोना जैसा धातु, चांदी जैसे गलाए हुए टुकड़े, नगदी रकम, टूटा हुआ ताला, घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन क्रमांक टीवीएस एनटॉरक स्कूटी और एक्टीवा वाहन तथा चोरी के सामान को गलाने में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई।

साक्ष्य मिटाने की साजिश भी उजागर-पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने पुलिस कार्रवाई के डर से चोरी किए गए कुछ सोने के आभूषणों को गलाकर उनका स्वरूप बदल दिया तथा कुछ सामान केलो नदी में फेंककर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। मामले में संगठित रूप से अपराध करना और साक्ष्य विलोपित करने के पर्याप्त प्रमाण मिलने पर प्रकरण में अतिरिक्त धाराएं धारा 112, 3(5), 238 बी0एन0एस0 जोड़ी गई हैं। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

चमिया और बड़े जीराखाल में गूंजा 'खुशियों की चाबी' का उल्लास*

सुशासन शिविर में जनहितकारी योजनाओं से लाभान्वित हुए हितग्राही

जगदलपुर/मूक पत्रिका

राज्य शासन की मंशानुरूप अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने के संकल्प के साथ बस्तर जिले के ग्राम पंचायत चमिया में 'सुशासन तिहार 2026' का आयोजन किया गया। ÷गाँव-गाँव, द्वार-द्वार सुशासन की सरकार÷ के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए इस शिविर ने ग्रामीणों के लिए एक ऐसी खिड़की खोल दी, जहाँ उनकी समस्याओं का न केवल पंजीकरण हुआ बल्कि मौके पर ही उनका प्रभावी समाधान भी सुनिश्चित किया गया। इस आयोजन की सार्थकता उस वक्त दिखी जब प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीणके तहत वर्षों से पक्के मकान का सपना संजोए बैठे परिवारों को उनके नए घर की 'खुशियों की चाबी' सौंपी गई। नया आशियाना मिलने की यह खुशी केवल ईंट-पत्थर के मकान तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह शासन के प्रति उस भरोसे की जीत थी जिसे सुशासन की अवधारणा का आधार माना जाता है। आवास के साथ-साथ शिविर में आर्थिक सशक्तिकरण की भी नई इबारत लिखी गई, जहाँ स्वयं सिद्धा योजना के अंतर्गत हितग्राही उषावती को 2 लाख रुपए का ऋण वितरित कर उनके आत्मनिर्भर बनने के मार्ग को प्रशस्त किया गया, वहीं अन्य महिला स्व-सहायता समूहों को भी 6 लाख रुपए तक की बड़ी सहायता राशि प्रदान की गई। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को 6 हजार रुपए के चेक प्रदान कर उनके पोषण और स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। शिक्षा और दस्तावेजीकरण के मोर्चे पर भी यह शिविर अत्यंत सक्रिय रहा, जहाँ स्कूली बच्चों और स्थानीय निवासियों को उनके महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज और विभिन्न प्रमाण पत्र तत्काल वितरित किए गए। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए विशेष स्टॉल पर ग्रामीणों की निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की गई, जिसमें ब्लड प्रेशर और अन्य प्राथमिक परीक्षणों के साथ-साथ विशेषज्ञों द्वारा आवश्यक चिकित्सा परामर्श भी दिए गए। प्रशासनिक सजगता का परिचय देते हुए बस्तर पुलिस ने भी शिविर में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई और सुरक्षा के उद्देश्य से ग्रामीणों को साइबर अपराधों की बारीकियों व उनसे बचाव के तरीकों के बारे में विस्तार से समझाया। शिविर के मंच से जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल और जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जनता को संबोधित करते हुए शासन की कल्याणकारी योजनाओं की गहराई से जानकारी दी। इसी तरह बकावंड विकासखंड के बड़े जीराखाल में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में भी ग्रामीणों का उत्साह देखने को मिला, जहाँ कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए और जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनबारी भद्रे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ललिता कश्यप व बनवासी मौर्य की गरिमामयी उपस्थिति में जनसमस्याओं का निराकरण किया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि एक ही छत के नीचे स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं का मिलना उनके लिए किसी उत्सव से कम नहीं है। भारी संख्या में उमड़ी पुरुषों और महिलाओं की भीड़ इस बात का प्रमाण रही कि 'सुशासन तिहार' बस्तर के ग्रामीण अंचलों में बदलाव की एक सशक्त लहर बनकर उभरा है।

संपादकीय

पंजाब में फिर लौट रहा खालिस्तानी आतंक?

पंजाब में आतंकी तंत्र के फैलते दायरे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले वर्ष जुलाई में सुरक्षा एजंसियों ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया था।पंजाब में पिछले कुछ समय से आतंकी गतिविधियां जिस तरह से बढ़ रही हैं, वह बड़े खतरे की ओर इशारा करती हैं। बीते दस दिनों के भीतर राज्य में तीन बम धमाकों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। अब तक की जांच-पड़ताल के निष्कर्षों की जो तस्वीर सामने आई है, उससे इस बात के साफ संकेत मिलते हैं कि उग्रवाद का कठिन दौर झेल चुके इस राज्य में खालिस्तान समर्थक आतंकी तंत्र फिर से सिर उठाने लगा है। जलंधर और अमृतसर में मंगलवार रात हुए दो सिलसिलेवार विस्फोटों ने राज्य की सुरक्षा एजंसियों की सतर्कता और खुफिया चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।इन विस्फोटों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोनों जगह सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की गई। आतंक के इस तंत्र को लेकर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विभिन्न समूहों से जुड़े ज्यादातर आतंकी किसी आम नागरिक की तरह समाज में घुल-मिलकर रहते हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल होता है। मौका मिलने पर वे अपने आकाओं के निर्देश पर हमला करने के लिए सक्रिय हो जाते हैं।गौरतलब है कि पंजाब के जलंधर में मंगलवार रात करीब आठ बजे सीमा सुरक्षा बल के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। इसके बाद दूसरा धमाका रात करीब ग्यारह बजे अमृतसर में सैन्य छावनी के पास हुआ। जलंधर में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है और पुलिस ने भी इसकी पुष्टि की है। इससे पहले पटियाला के शंभू इलाके में 27 अप्रैल को एक मालगाड़ी की पटरी पर विस्फोट हुआ था।पुलिस ने इस सिलसिले में खालिस्तान समर्थक एक आतंकी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। ये घटनाएं खुफिया तंत्र की विफलता और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामी की ओर इशारा करती हैं। राज्य पुलिस का मानना है कि इन आतंकी वारदातों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। सीमा पार से खालिस्तान समर्थक आतंकी समूहों को प्रशिक्षण, विस्फोटक सामग्री और हथियार मुहैया कराए जा रहे हैं।

मगर सवाल है कि सुरक्षा एजंसियां इस तरह की गतिविधियों पर नियमित नजर रखने और किसी भी वारदात से पहले ही आतंकियों को धर-दबोचने में नाकाम क्यों हो रही हैं?पुलिस के मुताबिक, अमृतसर में विस्फोट स्थल पर आईईडी के टुकड़े मिले हैं, जिससे संकेत मिलता है कि यह या तो टाइम बम से किया गया विस्फोट था या फिर रिमोट कंट्रोल से धमाका किया गया। ऐसे में सुरक्षा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। अगर सुरक्षाबलों के परिसर में ही चौकसी के बंदोबस्त इतने कमजोर हैं कि कोई भी वहां विस्फोटक सामग्री रख सकता है, तो फिर अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का स्तर कैसा होगा, इसका अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है।

अजेय अस्मिता का अंगार- झुकती दुनिया में 'महाराणा प्रताप' होने का अर्थ

जब स्वाधीनता ने स्वयं को मानवीय स्वरूप में प्रकट करना चाहा, जब समता और समन्वय ने 'योद्धा' के रूप में खुद को ढालने की आरजू की, जब 'वीरता और वैराग्य' ने संयुक्त रूप से प्रस्फुटित होने का संकल्प लिया तब 09 मई 1540 को कुंभलगढ़ के किले में महाराणा प्रताप नामक आलोक का उदय हुआ। पराधीनता के घोर तिमिर में 'भुवन भास्कर' बन उदित होने वाला यह कालजई किरदार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना आज से 500 वर्ष पूर्व था। संभव है कि उनकी जयंती के अवसर पर फिर दुराग्रह और तुष्टीकरण की विष्ठा के आहार पर पल रहे कुछ बुद्धिजीवी मानवता के 'प्रताप' को लघुतर साबित करने का कुप्रयास करेंगे।

(प्रणय विक्रम सिंह)

मुल्क के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे प्रखर राष्ट्रवादी अकबर नहीं महाराणा थे महान, कह कर उन छद्म कुपढ़ों का प्रतिकार करेंगे। किंतु यह दोनों बातें इस बहस को जन्म अवश्य देती हैं कि आखिर महाराणा में क्या महानता थी। या महाराणा और अकबर में कौन महान था।

वैसे महानता के अपने-अपने मापदंड हो सकते हैं। जैसे मेरा मानना है कि महान बनने के लिये किसी भी व्यक्ति अथवा शासक में मानवता का होना बुनियादी शर्त है। वह जितना अधिक मानवीय मूल्यों और जन पक्षधरता के निकट होगा, महानता से समीपता बढ़ती चली जायेगी। मानवीय मूल्य और जन पक्षधरता वाले निणर्यों की बुनियाद पर मैं महाराणा प्रताप को समकालीन इतिहास का महान शासक मानता हूं।

अब प्रश्न है कि आखिर महाराणा में महानता थी क्या?

महाराणा की महानता को जानने के लिये इंटरनेट की तरंगों पर मचल रही 21वीं सदी को थोड़ा पीछे मुड़ कर उस कालखंड की तरफ देखना पड़ेगा जब भारत का स्वर्ण काल बीत चुका था। इंद्रप्रस्थ का सिंहासन बन चुका था तख्त-ए-दिल्ली। चंगेज खान के फरजंद (उत्तराधिकारी) लूटने लगे थे इस देव भूमि को। जिन्हें कभी सूर्य और चंद्र के वशंज होने का अभिमान था वो क्षत्रिय, अब कुरनीस करने लगे थे जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर के दरबार में। मुगलों के परचम तले भारतवर्ष के बड़े-बड़े राज्य अपना अस्तित्व खो रहे थे। जो कल तक राजा थे, वह आज मनसबदार बन कर खुद को महफूज समझ रहे थे। कहीं से बगावत की कोई आवाज नहीं आ रही थी। 'सत्य' ने 'सत्ता' के सम्मुख समर्पण कर दिया था। कहते हैं कि बहती धारा में कोई पेड़ उग नहीं पाता है। लेकिन कुछ हठीले दरख्त ऐसे भी होते हैं जिन्हे समय का सैलाब भी बहा नहीं पाता है। वह अविचल, अडिग खड़े रहते हैं प्रलयंकारी तूफानों में। धारा का तेज बहाव, समय की तपिश, तूफानों के रक्ताभ थपेड़े उनका बाल भी बांका नहीं कर पाते हैं।

उस वक्त, कुछ ऐसे ही मतवाले दरख्तों से लहलहा रही थी वीर मेवाड़ की धरती, जब अपने साम्राज्यवादी मंसूबों की कुत्सित पिपासा को मिटाने के लिये अकबर तेजी से मेवाड़ की ओर आगे बढ़ रहा था। और मेवाड़ मचल रहा था स्वाधीनता के अमर गायक महाराणा प्रताप की तान पर। वो महाराणा, जिसने वीरता के प्रतिमानों को ही बदल दिया। वो, महाराणा जिसने मृत्यु की नाद पर जीवन को थिरकना सिखाया। वो महाराणा, जिसकी रगों में महारानी पद्मनी का तेजा, राणा सांगा का पराक्रम, माता पन्ना धाय का त्याग, संस्कार बन कर दौड़ रहा था। भला उसे अकबर नाम का अंधड़ क्या परेशान करता। लालच के पृष्ठ पर अपमान के अक्षरों से लिखे तमाम संधि प्रस्तावों पर स्वाभिमान की स्याही उड़ेलता रहा महाराणा। लिहाजा सज गई हल्दीघाटी। शायद हल्दीघाटी के हिस्से में भी वीरों की तपस्थली होने का गौरव आना था। हल्दीघाटी की जय-पराजय तो अलग विषय है लेकिन अकबर को इस युद्ध के बाद यह ज्ञात हो गया कि आगे का मार्ग आसान नहीं है। उसके अविजित होने का दंभ हिल गया। सम्पूर्ण भारतवर्ष ने महाराणा में एक नई उम्मीद देखनी प्रारम्भ कर दी। अब प्रताप का संघर्ष हर उस व्यक्ति और समाज के लिये प्रेरणा बन चुका था, जो अपने अस्तित्व की रक्षा को अपना धर्म समझता था। हल्दीघाटी मात्र एक युद्धभूमि नहीं थी, वह चेतना की कसौटी थी। वहां दो

सेनाएं नहीं भिड़ीं, वहां दो दृष्टियों टकराईज एक ओर विस्तार की भूख, दूसरी ओर अस्तित्व की रक्षा।

जब कोई महाशक्ति किसी देश की सांसें सैन्य/आर्थिक घेराबंदी से गिनने लगती है, जब वियतनाम, बलोचिस्तान और वेनेजुएला जैसी धरती अपने ही संसाधनों के बीच घुटन महसूस करती है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि हल्दीघाटी कोई स्थान नहीं थी, वह हर युग की एक स्थिति है। संघर्ष का रंग बदला है, आत्मा की परीक्षा वही है।

यह विडंबना ही है कि जन सामान्य और इतिहासकार, महज हल्दीघाटी के युद्ध तक ही सीमित कर देते हैं प्रताप को। जबकि सच तो यह है कि महाराणा अपने कालखंड के सबसे बड़े समाज सुधारक थे। अब देखिये न, जातीय जड़ता में जकड़े हुये मध्यकालीन युग में प्रताप ने अपनी सेना में अछूत समझे जाने वाले दलित धांगर बिरादरी के लोगों को न केवल शामिल किया था बल्कि उन्हें सेना की अगली कतार में चलने का गौरव भी प्रदान किया। यह किसी भी वंचित समुदाय को योद्धा बनाने की युगांतकारी पहल थी।

राणा प्रताप ने बाल्यकाल से ही भीलों को हमेशा सम्मान की दृष्टि से देखा और तात्कालीन समाज में व्याप्त अनेक जातीय शिष्टाचार को दरकिनार कर उनके साथ एक पंगत में बैठ भोजन करते थे राणा। यह स्वामी भक्त भीलों के शौर्य और राणा के समतामूलक विचारों का ही परिणाम है कि आज भी मेवाड़ राजवंश के प्रतीक चिह्न पर एक ओर क्षत्रिय खड़ा है तो दूसरी ओर भील। यही नहीं, अनेक अवरोधों के बावजूद सामाजिक समरसता में एक कदम आगे बढ़ते हुये अफगान पठान हकीम खां सूर के दल को अपने हरावल दस्ते की कमान सौंपी। भील, धांगर समेत अन्य वंचित समुदाय उनके लिए एक ही आग के अंगार थे। जहां योग्यता थी, वहां भेदभाव की दीवार अपने आप गिर जाती थी। आज, जब समाज को फिर से वर्ण रूपी खांचों बांटने की कोशिशें तेज हैं, प्रताप की यह दृष्टि मरहम की तरह उतरती है।

महाराणा प्रताप प्रजा के हृदय पर शासन करने वाले शासक थे। उनकी एक आज्ञा हुई और विजयी सेना ने देखा कि उसकी विजय व्यर्थ है। चित्तौड़ भस्म हो गया, खेत उजड़ गये, कुएं भर दिये गये और ग्राम के लोग जंगल एवं पर्वतों में अपने समस्त पशु एवं सामग्री के साथ अदृश्य हो गये। दशकों तक मेवाड़ में अन्न का दाना नहीं उपजा। पूरा मेवाड़ युद्ध का मैदान बना हुआ था। सब तरफ भुखमरी और मार-काट थी, ऐसे में सब साथ छोड़ जाते हैं लेकिन मेवाड़ ने प्रताप का साथ कभी नहीं छोड़ा। मेवाड़ की जनता प्रताप के पीछे चट्टान की तरह खड़ी रही।

महाराणा प्रताप की अदम्य वीरता, दृढ़ साहस और कुशल सेनानायक की उज्वल कीर्ति के आलोक में अनेक ऐसे गुण, जो महाराणा के व्यक्तित्व को विभिन्न आयामों में विराटता प्रदान करते हैं, छिप कर रह गये हैं। विदित हो कि महाराणा प्रताप में अच्छे सेनानायक के गुणों के साथ-साथ अच्छे व्यवस्थापक की विशेषताएं भी थी। अपने शासनकाल में उन्होने युद्ध में उजड़े गांवों को पुनः व्यवस्थित किया। नवीन राजधानी चावण्ड को अधिक आकर्षक बनाने का श्रेय महाराणा प्रताप को जाता है। चावंड को चित्रकला का केंद्र बनाकर नई चित्र शैली मेवाड़ी शैली का प्रारम्भ करवाया।

महाराणा प्रताप को स्थापत्य, कला, भाषा और साहित्य से भी लगाव था। वे स्वयं विद्वान तथा कवि थे। उनके शासनकाल में अनेक विद्वानों एवं साहित्यकारों को आश्रय प्राप्त था। राजधानी के भवनों पर कुम्भाकालीन स्थापत्य की अमिट छाप देखने को मिलती है। पद्मिनी चरित्र की रचना तथा दुरसा आढा की कविताएं महाराणा प्रताप के युग को आज भी अमर बनाये हुए हैं। उनकी प्रेरणा से ही मथुरा के चक्रपाणी मिश्र ने विश्व वल्लभ नामक स्थापत्य तथा मुहूर्त माला नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। चांवड में चावंड माता के मंदिर का निर्माण भी राणा प्रताप ने ही करवाया था।

दीगर है कि अंग्रेजी हुकूमत से स्वाधीनता हेतु संघर्षरत अनेक महान क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत थे 500 वर्ष पूर्व जन्में महाराणा। वीर शिरोमणि चंद्रशेखर आजाद के लिये आदर्श थे राणा। क्रान्तिकारियों के लिए मेवाड़ की धरती, चित्तौड़गढ़ और हल्दीघाटी तीर्थस्थल बन चुके थे। वस्तुतः अंग्रेजों की दासता से मुक्ति दिलाने के लिए महाराणा प्रताप के नाम ने जादू का काम किया। डीप स्टेट के अदृश्य तंत्र, प्रलोभनों की आंधियां और भीतर से राष्ट्र को खोखला करने वाली साजिशें इन सबके बीच महाराणा प्रताप दीप बनकर खड़े दिखाई देते हैं। वे याद दिलाते हैं कि पराधीनता पहले मन में उतरती है, सीमाओं पर बाद में। यदि चेतना सजग रहे, तो कोई भी जाल स्थायी नहीं हो सकता।

वस्तुतः वह हमारे दुर्धर संघर्ष, निष्ठा, समर्पण और पराक्रम की अपूर्व धरोहर हैं। वह ऐसा इतिहास हैं, जो कभी मर नहीं सकता। ऐसे भी अनेक प्रयास हुए हैं और आगे भी होते रहेंगे जो महाराणा प्रताप की गरिमा को सन्देह की शय्या पर सुलाना चाहेंगे।

लेकिन शायद ऐसा करने वाले यह भूल गये हैं कि महाराणा प्रताप का इतिहास मानव-जीवन का पर्याय है और कोई भी ऐतिहासिक दुराग्रह, उसे प्राप्त प्रतिष्ठा से अपदस्थ नहीं कर सकती। युगों-युगों तक पीढ़ियां स्वाधीनता के अमर हस्ताक्षर को स्मरण कर प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

भाजपा को परखने के औजार बदलने होंगे

(राकेश सैन)

राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने-अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रों पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अयप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडू में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मदिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अर्धसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया। विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी-विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली। यह अकेला आँकड़ा ही उस प्रोपेगेंडा की हवा निकाल देता है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि वोटर लिस्ट में सुधार से सिर्फ टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को फायदा पहुँचा। अगर बड़े पैमाने पर देखें, तो जिन 187 सीटों पर 5,000 से ज्यादा वोटर्स के नाम काटे गए थे, वहां भाजपा ने 119 और टीएमसी ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 187 सीटों में से 47 सीटें ऐसी थीं, जहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी। भाजपा ने जो 119 सीटें जीतीं, उनमें से 28 सीटों पर जीत का अंतर कटे हुए वोटों से कम था। इन आँकड़ों से साफ है कि कई सीटों पर कांटे की टक्कर थी और वहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के मार्जिन से ज्यादा रही। लेकिन हार का पूरा ठीकरा सिर्फ वोटर लिस्ट सुधार की प्रक्रिया पर फोड़ देना और इसे ही हार की एकमात्र वजह बताना पूरी तरह से भ्रामक और गलत है। विदेशी विश्लेषणों में बंगाल के चुनावी परिणाम को हिन्दुत्व के उभार के रंग में रंग दिया। लेकिन वहां की जनता की नाराजगी, आर्थिक बदहाली, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीडन, सत्ताधारियों की हिंसा, उद्योगों का पलायन जैसे कारणों की अनदेखी कर गया। यह तत्व जनता में अप्रासंगिक हो रहे हैं और भाजपा का ग्राफ निरंतर बढ़ रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रील, स्क्रीन और भागती दुनिया के बीच आखिर क्यों छूटता जा रहा है 'समझने' का हुनर

देखने और समझने के बीच एक सूक्ष्म-सी दूरी है, पर यही दूरी धीरे-धीरे जीवन को एक अनकही थकान में बदल देती है। हम जीवन भर देखते रहते हैं- चेहरे, सड़कें, भीड़, घटनाएं, समाचार- पर उन्हें समझने का ठहराव जैसे हमारी दिनचर्या से धीरे-धीरे विलुप्त हो गया हो। जीवन हमारे सामने घटता रहता है, पर उसका अर्थ भीतर पहुंचने से पहले ही कहीं फिसल जाता है, जैसे कोई नदी रेत में समा जाए और हम केवल उसकी नमी को महसूस कर सकें, प्रवाह को नहीं। 'समय ने समय से कहा होगा कि मैं वही हूं, जो हर युग में अपने अर्थ बदल लेता हूं- कभी प्रतीक्षा बनकर, कभी गति बनकर और कभी उस मौन ठहराव की तरह, जो किसी अनुभव के बाद मनुष्य के भीतर बच जाता है।'

(विजय सिंह अधिकारी)

शायद इन्हीं पंक्तियों में देखने और समझने के बीच की पूरी कथा छिपी है- एक ऐसी कथा जो हर युग में लिखी जाती है, पर कभी पूरी नहीं होती। इसी संदर्भ में यह कहावत भी सटीक प्रतीत होती है- 'आंखों देखी पर यकीन कर लेते हैं, पर समझी हुई बात जीवन बदल देती है।'

आज यह दूरी और भी सूक्ष्म होकर सर्वव्यापी हो गई है। मोबाइल फोन ने देखने को गति नहीं दी, उसने देखने को एक निरंतर प्रवाह में बदल दिया है। अब दृश्य रुकते नहीं, वे बहते हैं। सुबह आंख खुलते ही स्क्रीन, दिनभर सूचनाओं की अनवरत दस्तक और रात तक अनगिनत चित्रों का सिलसिला- जैसे दुनिया अब कोई स्थिर यथार्थ नहीं, बल्कि एक निरंतर संपादित होती हुई फिल्म हो।

दिल्ली मेट्रो में एक युवक अपने मोबाइल में लगातार रील बदल रहा था। एक दृश्य की हंसी अभी पूरी भी नहीं होती कि दूसरा दृश्य शुरू हो जाता था। मृत्यु, विवाह, विज्ञापन, युद्ध- सब एक ही समतल पर समान गति से गुजरते हैं। उस गति में किसी भी दृश्य का भार नहीं बचता। उसी डिब्बे में एक वृद्ध महिला अपने बैग को कसकर पकड़े खड़ी थी। उसके चेहरे पर वर्षों का धैर्य था, पर वह दृश्य नहीं बना, क्योंकि दृष्टि पहले ही

आगे बढ़ चुकी थी।

दिल्ली में एम्स के बाहर हल्की बारिश में एक परिवार प्रतीक्षा कर रहा था। समय वहां रुकता नहीं, फैल जाता है। पिता की आंखें दरवाजे पर जमी थीं, मां की हथेलियां आपस में बंधी थीं, बच्चा हर आहट पर सिहर उठता था। यह केवल प्रतीक्षा नहीं थी- यह समय का वह रूप था, जहां भय और आशा एक ही क्षण में सांस ले रहे थे। पर बाहर से देखने वाला इसे केवल 'कतार' कह देता है। यही वह बिंदु है, जहां देखने और समझने के बीच की सबसे गहरी दरार दिखाई देती है।

इसी तरह एक चौराहे पर एक बच्चा फूल बेच रहा था। हर बार लाल बत्ती पर वह आगे आता, हर हरी बत्ती पर पीछे छूट जाता। उसकी गति नियमों से नहीं, जीवित रहने की विवशता से तय थी। एक कार में बैठे व्यक्ति ने उसे देखा, क्षणभर ठहरा, फिर स्क्रीन में लौट गया। दृश्य पूरा था, पर अर्थ अधूरा रह गया।

स्टेशन पर एक वृद्ध व्यक्ति ट्रेन छूट जाने के बाद भी उसी जगह खड़ा रहा। भीड़ आगे बहती रही, घोषणाएं बदलती रहीं, पर उसके भीतर समय जैसे एक बिंदु पर जम गया था। वह केवल यात्री नहीं था। वह छूटते हुए जीवन का एक मौन संग्रह था, जहां हर छूटना केवल यात्रा नहीं, स्मृति बन रहा था।

गांव में यह अनुभव और भी मौलिक हो जाता है। एक किसान सूखी जमीन को देखता है, पर उसकी दृष्टि केवल दरारों तक सीमित नहीं रहती। उसमें कर्ज की परतें, मौसम की अनिश्चितता, बीज की कीमत और आसमान की चुप्पी एक साथ जीवित रहती है। उसके लिए बादल केवल पानी नहीं, एक संभावना है- एक वादा जो पूरा भी हो सकता है और टूट भी सकता है।

शहर का व्यक्ति मौसम एप देखकर भी असमंजस में रहता है, क्योंकि उसके पास सूचना है, पर वह व्याख्या नहीं, जो अनुभव से जन्म लेती है। किसी बस में बैठी महिला का दृश्य भी ऐसा ही था- गोद में सोता बच्चा, खिड़की से पीछे छूटता शहर, और चेहरे पर थकान की परतें। पर उस थकान के भीतर अनेक भूमिकाएं चल रही थीं- मां, कामगार, देखभालकर्ता और भविष्य की अनिश्चितताओं से जूझती एक चेतना। देखने वाला उसे केवल 'यात्री' कह देता है, पर समझने वाला उसमें एक पूरा सामाजिक और आर्थिक ढांचा पढ़ लेता है।

धीरे-धीरे हमने अनुभव को सूचना में बदल दिया है। सड़क दुर्घटना हमें कुछ क्षण विचलित करती है, फिर अगली सूचना उसे ढक लेती है। अस्पताल की कतार दिखाई देती है, पर उसमें बैठे हर व्यक्ति का समय अदृश्य रह जाता है। किसी मजदूर की झुकी हुई चाल दिखती है, पर उसका पूरा दिन हमारी दृष्टि से बाहर रह जाता है। अब दृश्य आते हैं, पर ठहरते नहीं- और जो नहीं ठहरता, वह अर्थ नहीं बनता।

यहां समय एक मौन भूमिका निभाता है। वह केवल आगे नहीं बढ़ता, वह हमारी दृष्टि को भी आकार देता है। 'समय ने समय से कहा होगा कि यदि तुम तेज हो जाओगे, तो मनुष्य तुम्हें केवल देखेगा, समझेगा नहीं।' गति समय को दृश्य बना देती है, पर अर्थ को धुंधला कर देती है। ठहराव ही वह स्थान है, जहां अनुभव अपने पूरे रूप में प्रकट होता है।

यही कारण है कि देखने और समझने के बीच की यह दूरी केवल तकनीक का परिणाम नहीं, बल्कि हमारी दृष्टि की संरचना में आया एक गहरा परिवर्तन है। यह परिवर्तन हमें संसार का साक्षी तो बनाता है, पर उसका सहभागी नहीं रहने देता। शायद सबसे मौन विडंबना यही है कि हम जितना अधिक दुनिया को देख रहे हैं, उतना ही कम उसे भीतर उतार पा रहे हैं, क्योंकि जो केवल देखा गया है, वह स्मृति बन सकता है, पर जो समझा नहीं गया, वह जीवन नहीं बनता। वह बस एक गुजरती हुई छाया रह जाता है, जो हमारे सामने से भी निकल जाती है और हमारे भीतर से भी।

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन को विभागीय अधिकारियों के मेहरबानी से लगा वर्षों से दिमक,

कैथा पंचायत के ग्रामीण अभी भी हैंडपंप से पानी पीने को मजबूर,

सक्ति/हसौद/मूक पत्रिका

केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल जल योजना का बंटाधार करने में पीएचई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार कोई कसर नही छोड़ रहे हैं। जल जीवन मिशन जिसे 15 अगस्त 2019 को शुरू किया गया था, जल शक्ति मंत्रालय के तहत भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य 2024 (अब दिसंबर 2028 तक विस्तारित) हर ग्रामीण घर में नल से प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। यह योजना 'हर घर जल' के तहत आत्मनिर्भरता और पानी की गुणवत्ता पर केंद्रित है।सरकार की महत्वाकांक्षी ÷हर घर जल÷ योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। हालांकि सक्ति जिले के जैजैपुर विकासखंड क्षेत्र के कई गांवों में यह योजना

अब सिर्फ विभागीय जिम्मेदारों के दफ्तर कागजों पर लीपापोती करते सीमित नजर आ रही है। तो वही हसौद क्षेत्र के कैथा पंचायत के ग्रामीणों का आरोप है कि कहीं कई वर्ष पहले तो कहीं चार साल पहले पाइपलाइन और कनेक्शन दिए गए, लेकिन आज तक पानी की एक बूंद भी नसीब नहीं हुई है।घरों के बाहर लगी टोटियां अब सिर्फ शोपीस बनकर रह गई हैं, जबकि ग्रामीण आज भी हैंडपंप और अन्य साधनों से पानी भरने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी के बीच पानी की समस्या ने लोगों की परेशानियां और बढ़ा दी हैं। जैजैपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कैथा के घरों में टोटियां लगने के बाद भी पानी नहीं आ रहा है, जिससे लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है ऐसे में लोग टोटियों के भरोसे रह गए और पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि योजना के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। पाइपलाइन डालने और टोटियां लगाने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और ठेकेदार भी लगभग चार वर्षों से अधिक समय से पानी टँकी अधूरा निर्माण कर गायब हो गया है। आम जनता की समस्या से न तो ठेकेदार को कोई सरोकार है और न ही पीएचई विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को कोई सरोकार है। बता दे कैथा पंचायत में ठेकेदार द्वारा सुरवाती दौर से ही पानी टंकी निर्माणकार्य अधूरा छोड़ कर कई वर्षों से ग़ायब है लेकिन असमंजस की बात यह है की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा किसी प्रकार अभी गांव में पानी की व्यवस्था आपूर्ति के लिए कोई ठोस पहल ना होना और मनमानी करने वाले ठेकेदार के ऊपर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हो पाना समझ से परे हैं। जिससे स्पष्ट ये भी समझा जा रहा है कि विभागीय जिम्मेदारों के सह पर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को जमीनी धरातल पर साक लगाया जा रहा है।

विभागीय अधिकारियों को इसके बारे में मौखिक जानकारी दिया जा चुका है परंतु अभी तक पानी टंकी निर्माण कार्य का स्थिति जस के तस बना हुआ।

रामकुमार खूंटे
जनपद सदस्य

कैथा में ठेकेदार को तीन बार नोटिस दिया जा चुका है उसके बाद भी ध्यान नही दे रहा है तो आगे निरस्त करने की नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डिंडेश्वरी जगत
एसडीओ
पीएचई विभाग सक्ति

खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं प्रदान की

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कोरबा में 10 मई से 12 मई 2026 तक आयोजित 13वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता-2026 में बेमेतरा की The WarCry Martial Arts & Self Defence Academy के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में अकादमी एवं जिले के कुल 18 खिलाड़ियों ने भाग लिया और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कुल 31 पदक अपने नाम किए। इनमें 12 स्वर्ण पदक, 10 रजत पदक एवं 09 कांस्य पदक शामिल हैं। खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं उत्कृष्ट तकनीक का परिचय देते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि से अकादमी सहित पूरे बेमेतरा जिले में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने के उपरांत खिलाड़ियों ने आज पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू से सौजन्य भेंट की। इस दौरान खिलाड़ियों ने उन्हें किकबॉक्सिंग खेल एवं प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी प्रदान की। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, नियमित अभ्यास एवं दृढ़ संकल्प अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना बनाए रखते हुए नशा एवं अन्य गलत गतिविधियों से दूर रहने तथा अपने लक्ष्य के प्रति पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं भी प्रदान कीं। इस अवसर पर अकादमी के निर्देशक एवं हेड कोच सेंसई भानुप्रताप साहू, टीम मैनेजर सत्या राजपूत, विवेक पोल, दीपक मेघवानी, श्रीमती भाग्यश्री पोल, डॉ. रमेश धनगर, श्रीमती शिल्पा राठी, धर्मेंद्र ढींगरा एवं श्रीमती नम्रता साहू सहित अन्य अभिभावक गण एवं कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। पदक विजेता खिलाड़ी:- आनाया शर्मा -2 स्वर्ण पदक, भावी टंडन - 2 स्वर्ण पदक, यशस्वी वर्मा- 2 स्वर्ण पदक, भौमिक जंगड़े -1 स्वर्ण, 1 रजत पदक, वसुंधरा शुक्ला - 1 स्वर्ण, 1 रजत पदक, आस्था वर्मा - 1 स्वर्ण, 1 कांस्य पदक, वर्तिका कश्यप- 1 स्वर्ण, 1 कांस्य पदक, सिद्धार्थ मोटवानी -1 स्वर्ण, 1 कांस्य पदक, तेजस वर्मा - 1 स्वर्ण पदक, चन्द्रमादित्य तिवारी - 1 रजत, 1 कांस्य पदक, आरव सिन्हा - 2 रजत पदक, अंश सिंह बैस -2 रजत पदक, भारीकांश बांधे - 1 रजत पदक, राजवीर वर्मा - 1 रजत पदक, रूद्र चौहान - 1 रजत पदक, सर्वेश पोल - 2 कांस्य पदक, आरुषि बंजारे - 2 कांस्य पदक, भाग्यश्री वैष्णव - 1 कांस्य पदक।

काली पट्टी बांधकर वन कर्मचारियों ने जताया विरोध, लंबित मांगों को लेकर आंदोलन शुरू.

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

लंबित मांगों और नियम विरुद्ध तबादलों के विरोध में छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ का आंदोलन अब शुरू हो गया है। आंदोलन के पहले चरण के तहत मंगलवार को बिलासपुर संभाग के सभी जिलों सहित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के वन कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। वन कर्मचारियों ने कहा कि कई बार विभागीय अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। इसी नाराजगी के चलते संघ ने चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। सारंगढ़ जिले में भी वन विभाग के कर्मचारियों ने कार्यालय और फील्ड ड्यूटी के दौरान हाथों में काली पट्टी बांधकर शासन-प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। कर्मचारियों का कहना है कि लगातार नियम विरुद्ध स्थानांतरण, कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी और लंबित मामलों का निराकरण नहीं होने से नाराजगी बढ़ती जा रही है। छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष हीरालाल चौधरी ने बताया कि यह आंदोलन की शुरुआत है। यदि मांगों पर जल्द सुनवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा। संघ द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण में 18 मई को भोजन अवकाश के दौरान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय बिलासपुर के सामने सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 25 मई को एक दिन का सामूहिक अवकाश लेकर काम बंद किया जाएगा। मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी गई है। वन कर्मचारी संघ का कहना है कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन विभाग गंभीरता नहीं दिखा रहा है। कर्मचारियों ने शासन से जल्द उचित निर्णय लेने की मांग की है, ताकि आंदोलन की स्थिति खत्म हो सके।

मासूम की 'मर्यादा' से खिलवाड़ करने वाला आरोपी समीर नाग गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई

पुलिस ने कोंडागांव से आरोपी भांजे को दबोचा

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /-कांकेर उत्तर बस्तर कांकेर की सिटी कोतवाली पुलिस ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़ा गया आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार बताया जा रहा है, जिसने शादी का प्रलोभन देकर नाबालिग के साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए थे। रिश्तेदारी की आड़ में किया शर्मनाक कृत्य पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता की मां ने थाने में लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके सगे भांजे, समीर नाग ने उसकी नाबालिग बेटी को शादी का झांसा देकर अपनी जाल में फंसाया। आरोपी ने शादी का वादा कर नाबालिग के साथ लगातार दुष्कर्म किया। प्रार्थिया की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल अपराध क्रमांक 157/2026 के तहत धारा 64(1), 64(2), 65(1) बीएनएस एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला - पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की। घेराबंदी कर कोंडागांव से दबोचा गया आरोपी मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन में टीम गठित की गई। अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी समीर नाग (21 वर्ष), निवासी ग्राम धनोरा, जिला कोंडागांव को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।पुलिस टीम की सक्रियता इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रतीक दादा साहब बनसोडे (भापुसे), उप निरीक्षक सुरेन्द्र मानिकपुरी, सउनि भुवनेश्वरी भगत और आरक्षक मनोज ध्रुव की मुख्य भूमिका रही।

शादी से इनकार पर किशोरी पर हमला, आरोपी फरार

बकावंड/मूक पत्रिका

करपावंड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पोटियावंड में एक 17 वर्षीय किशोरी पर धारदार हथियार से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल किशोरी का उपचार बाकावंड अस्पताल में जारी है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और चिंता का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पोटियावंड निवासी गोविंद राम कश्यप ने करपावंड थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि उनकी बेटी रत्ना कश्यप कक्षा 11वीं की छात्रा है। गांव संध करमरी निवासी बनमाली सोनी ने पूर्व में शादी का प्रस्ताव रखा था, जिसे लड़की की कम उम्र होने के कारण परिवार द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि रविवार रात करीब 10 बजे रत्ना किसी फोन कॉल के बाद घर के बाहर गई थी। कुछ देर बाद परिजनों ने चीखने की आवाज सुनी। मौके पर पहुंचने पर युवती घायल अवस्था में मिली। परिजनों का आरोप है कि बनमाली सोनी ने धारदार हथियार से हमला कर घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गया। हमले में किशोरी के सिर, गर्दन, सीने और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों की सहायता से उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना को लेकर ग्रामीणों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि पहले इस तरह की घटनाएं बड़े शहरों में देखने को मिलती थीं, लेकिन अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है।

खरसिया अडानी और भाटिया राजेंद्र कोलवॉशरी की मनमानी से फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, मासूमों का निवाला तक हुआ जहरीला

खरसिया/मूक पत्रिका

ब्लॉक के नवागांव, पामगढ़, राजघट्टा, छोटे डूमरपाली और बड़े डूमरपाली के ग्रामीण आज ऐसी बदहाल जिंदगी जीने को मजबूर हैं, जहां हर दिन धूल, बीमारी, डर और हादसों के बीच गुजर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि राजघट्टा ग्राम पंचायत में स्थित भाटिया राजेंद्र कोलवॉशरी कंपनी और बड़े डूमरपाली में संचालित अडानी रेलवे साइडिंग से निकलने वाले भारी-भरकम हाइवा वाहनों ने पूरे इलाके की जिंदगी तबाह कर दी है। दिन-रात दौड़ती सैकड़ों गाड़ियों ने सड़क को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। सड़क अब सड़क नहीं, बल्कि गड्ढों और धूल का ऐसा जाल बन चुकी है, जहां हर कदम पर हादसे का खतरा मंडराता है। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनियों के लिए यह सिर्फ कोयला ढुलाई का रास्ता होगा, लेकिन गांव वालों के लिए यही रास्ता अब ÷मौत का रास्ता÷ बन चुका है।

सुबह उठते हैं तो पानी में धूल, खाना खाते हैं तो निवाले में धूल÷

ग्रामीणों की पीड़ा सुनकर किसी का भी दिल दहल जाए। लोगों का कहना है कि सुबह घर में रखे पानी के बर्तनों तक में धूल की परत जमी रहती है। खाने-पीने की चीजें, कपड़े, घर का सामान सब कुछ धूल से पट जाता है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस जहरीले प्रदूषण की चपेट में हैं। लगातार उड़ती डस्ट के कारण गांवों में दमा, खांसी और सांस संबंधी बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनियों को सिर्फ मुनाफे से मतलब है, गांव वालों की जिंदगी से नहीं।

बच्चों के मध्यान भोजन तक में गिर रही धूल÷

स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि गांव के स्कूल भी इस प्रदूषण से नहीं बच पाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, स्कूलों में बनने वाले मध्यान भोजन तक में धूल गिर रही है। मजबूरी में मासूम बच्चे वही दूषित भोजन खाने को मजबूर हैं।

सोचने वाली बात यह है कि जिन बच्चों को पोषण देने के लिए मध्यान भोजन योजना चलाई जा रही है, वही भोजन अब धूल और प्रदूषण से जहरीला होता जा रहा है। इससे बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

बारिश में सड़क नहीं, कीचड़ और फिसलन का नरक

गर्मी में धूल से हाल बेहाल रहता है, तो बारिश में यही सड़क दलदल बन जाती है। सड़क पर फैला कोल डस्ट और कीचड़ इतनी फिसलन पैदा करता है कि लोग आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं। जगह-जगह बने गहरे गड्ढे दुर्घटनाओं को खुला न्योता दे रहे हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चों की हालत सबसे ज्यादा खराब है। बच्चों की ड्रेस कीचड़ से खराब हो जाती है, कई बच्चे डर के कारण स्कूल जाने से कतराने लगे हैं। अभिभावकों को हर पल डर सताता है कि कहीं कोई बड़ा हादसा न हो

नेता आए, धरना हुआ, आश्वासन मिलाज लेकिन सड़क आज भी टूटी पड़ी है÷

ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार चक्का जाम और धरना-प्रदर्शन किया गया। भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने भी आंदोलन किए, लेकिन कंपनियों पर कोई असर नहीं पड़ा। हर बार सिर्फ आश्वासन मिला, समाधान नहीं।

ग्रामीणों का कहना है कि ऐसा लगता है जैसे कंपनियां प्रशासन और नेताओं से भी बड़ी हो गई हैं, क्योंकि वर्षों बाद भी सड़क निर्माण और धूल नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

अब ग्रामीणों की चेतावनी – ÷इस बार होगी आर-पार की लड़ाई÷

अब गांव वालों का सब्र टूट चुका है। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि इस बार सड़क निर्माण और धूल नियंत्रण की व्यवस्था नहीं हुई, तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा। लोगों का कहना है कि अब केवल धरना नहीं होगा, बल्कि ÷आर-पार की लड़ाई÷ लड़ी जाएगी और सड़क बनने तक आंदोलन जारी रहेगा।

नगर पालिका परिषद कोण्डागांव में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित कोंडागांव

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

कोण्डागांव राज्य शासन की मंशानुसार आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से ÷सुशासन तिहार 2026÷ के अंतर्गत नगर पालिका परिषद कोण्डागांव द्वारा बुधवार को विकास नगर स्थित सामुदायिक भवन में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सभी वार्डों के नागरिकों के लिए विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं की जानकारी स्टॉल के माध्यम से प्रदान की गई तथा हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। शिविर में कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री जसकेतु उसेण्डी सहित पार्षदगण उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती पन्ना ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से सभी विभाग एक ही स्थान पर उपस्थित होकर आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेण्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं। शिविर में कलेक्टर, नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सहित पार्षदगणों ने शिविरों का अवलोकन किया और प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। साथ ही सभी ने स्वास्थ्य जांच भी कराए। इस दौरान कलेक्टर ने डाक विभाग के स्टाल पहुंचकर विभाग द्वारा संचालित बीमा योजना के तहत मौके पर स्वयं का बीमा भी कराया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कई आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें कुछ आवेदन का मौके पर निराकरण किया गया और संबंधित अधिकारियों को शेष आवेदनों का त्वरित निराकरण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। शिविर में मत्स्य पालन विभाग द्वारा समिति के सदस्यों को दो नग मछली जाल वितरित किए गए। शिक्षा विभाग द्वारा 15 विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 06 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, श्रम विभाग द्वारा 04 श्रम पंजीयन कार्ड वितरित किए गए। उद्यानिकी विभाग द्वारा 10 किसानों को पौधों का वितरण किया गया। राजस्व विभाग द्वारा 05 डिजिटल किसान किताब एवं 09 बी-1 खसरा वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों के सामान्य ज्ञान को परखने के लिए प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रश्नों के सही जवाब देने वाले व्यक्तियों को अतिथियों के माध्यम से उद्यानिकी विभाग द्वारा सब्जी बीज और पौधे प्रदाय किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी2.0 के तहत एक हितग्राही को आवास की चाबी सौंपी गई। इस अवसर पर पार्षद सुश्री सोनामणि पोयाम एवं श्री ललित देवांगन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अजय कुमार उरांव, डिप्टी कलेक्टर सुश्री रश्मि पोया, तहसीलदार मनोज रावटे तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी देवेश चंदेल उपस्थित रहे।

प्रशासन ने चलाया 15 दिवसीय महा-अभियान

प्रशासन का कड़ा रुख: कांकेर में औषधि और खाद्य दुकानों पर छापेमारी, सुरक्षित स्वास्थ्य की ओर कदम

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-उत्तर बस्तर कांकेर छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में आमजन को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व खाद्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में एक विशेष 15 दिवसीय जागरूकता एवं जांच अभियान चलाया गया। 'सही दवा-शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार' विषय पर आधारित इस अभियान के माध्यम से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की है।

औषधि प्रतिष्ठानों पर कड़ी नजर-निरीक्षण के दौरान विभाग की टीम ने जिले के कुल 29 थोक एवं खुदरा मेडिकल स्टोर्स, 15 कॉस्मेटिक एजेंसी और 8 शासकीय व निजी अस्पतालों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान वैक्सीन के सही रखरखाव और मेडिकल -मानकों की जांच की गई। अनियमितता पाए जाने पर 04 संचालकों को सुधार हेतु कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कोटपा एक्ट का उल्लंघन और चालानी कार्रवाई-अभियान के तहत स्कूलों के आसपास स्थित दुकानों और सार्वजनिक स्थानों पर भी सख्त जांच की गई। सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा एक्ट) की धारा 4 और 6 के उल्लंघन पर कुल ?5080 का चालान काटा गया। विभाग ने सख्त हिदायत दी है कि शैक्षणिक संस्थानों के पास तंबाकू उत्पादों की बिक्री किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खाद्य प्रतिष्ठानों को निर्देश: न करें कैल्शियम कार्बाइड का -प्रयोग खाद्य सुरक्षा को लेकर विभाग ने 50 से अधिक प्रतिष्ठानों की जांच की, जिनमें होटल, रेस्टोरेंट, बिरयानी सेंटर, जूस सेंटर और फ्रूट विक्रेता शामिल थे। अभिहित अधिकारी सुष्मित देवांगन ने बताया कि फ्रूट विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि फ्रूटों को पकाने के लिए किसी भी स्थिति में हानिकारक कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग न करें। इसके साथ ही 05 खाद्य फर्मों को तत्काल सुधार हेतु नोटिस दिया गया है।

स्वच्छता और जन-जागरूकता पर जोर-निरीक्षण टीम ने सभी विक्रेताओं को सिर पर कैप, हाथों में ग्लब्स पहनने और साफ-सुथरे बर्तनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही स्वच्छ पेयजल के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया गया ताकि जलजनित बीमारियों से बचा जा सके। इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने में सहायक औषधि नियंत्रक, अभिहित अधिकारी, औषधि निरीक्षक, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं विभागीय स्टाफ की संयुक्त टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह की जांच जारी रहेगी ताकि जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो सके।

संक्षिप्त समाचार

होंडा एनएक्स500 को अब अधिक स्मार्ट एडवेंचर टूरिंग के लिए ई-क्लच तकनीक से लैस किया गया है

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज अपनी मिड-साइज़ एडवेंचर टूरिंग मोटरसाइकिल एनएक्स500 में होंडा ई-क्लच तकनीक को शामिल करने की घोषणा की। यह ई-क्लच सिस्टम स्टार्ट करने, गियर बदलने और रुकने के दौरान क्लच के जुड़ाव को अत्यंत सटीक इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण के माध्यम से संचालित करता है, जिससे मैनुअल क्लच ऑपरेशन की आवश्यकता काफी कम हो जाती है। साथ ही, राइडर किसी भी समय इस सिस्टम को ओवरराइड भी कर सकता है। भारत की व्यस्त शहर सड़कों से लेकर लंबे हाईवे सफर तक राइड करने वाले राइडर्स के लिए यह फीचर लगातार क्लच ऑपरेशन से होने वाली थकान को कम करने में मदद करता है। होंडा ई-क्लच इस प्रक्रिया को स्वत: नियंत्रित करता है, जिससे राइडर सड़क पर अधिक ध्यान केंद्रित रख सकता है, जबकि एनएक्स500 के लिए प्रसिद्ध हैंड्स-ऑन राइडिंग अनुभव भी पूरी तरह बना रहता है। इस घोषणा पर होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ श्री त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा: ई-क्लच तकनीक से सुसज्जित होंडा एनएक्स500 भारत में शहरी और टूरिंग दोनों परिस्थितियों में आराम और नियंत्रण को और बेहतर बनाती है। यह राइडर की थकान को कम करते हुए भी उस रोमांचक और हैंड्स-ऑन राइडिंग अनुभव को बनाए रखती है, जिसके लिए होंडा मोटरसाइकिलें जानी जाती हैं।

नक्सलवाद के साये से बाहर निकला सितरम: कलेक्टर ने कुसुम पेड़ के नीचे लगाई चौपाल, विकास कार्यों की दी सौगात

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेर :- उत्तर बस्तर कांकेर कभी भय और लाल आतंक की आगोश में रहने वाले अतिसंवेदनशील ग्राम पंचायत सितरम के लिए आज का दिन खुशहाली और नई उम्मीदों भरा रहा,दुर्गम और बीहड़ क्षेत्र में नारायणपुर जिले की सरहद से लगे इस गांव में जिले के कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर चौपाल लगाई और उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश दिए ,प्रशासनिक अमले के साथ कलेक्टर क्षीरसागर और जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी सुबह लगभग 11 बजे करीब 6 से 7 किलोमीटर के कच्चे मार्ग से होते हुए ग्राम सितरम पहुंचे,ग्रामीणों ने पारंपरिक ढंग से अधिकारियों का भव्य स्वागत किया, कलेक्टर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि दशकों तक नक्सलवाद के प्रभाव के कारण यह क्षेत्र विकास से अछूता रहा, लेकिन अब शासन की मंशा के अनुरूप यहाँ विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी,

बस्तर मुन्ने और सुशासन तिहार के तहत योजनाओं का लाभ- 'बस्तर मुन्ने और सुशासन तिहार' के तहत आयोजित इस शिविर में कलेक्टर ने ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की अपील की. उन्होंने बताया कि शिविर के माध्यम से 14 आधारभूत अधोसंरचनाओं और 31 व्यक्तिमूलक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभपात्र हितग्राहियों तक पहुँचाया जाएगा. लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे ग्रामीणों के राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड और वन अधिकार मान्यता पत्र बनाने की प्रक्रिया को प्रशासन ने तेज कर दिया है.

सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार की स्वीकृति- दौरे के दौरान कलेक्टर ने परलकोट के शहीद गेंद सिंह परिसर में सामुदायिक भवन, घोटुल भवन और क्षेत्र की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की. उन्होंने प्राचीन दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर जिलेवासियों की खुशहाली के लिए आशीर्वाद भी मांगा,

सरपंच ने रखी विकास की मांग- ग्राम पंचायत सितरम के सरपंच गणेश नायक ने राजस्व तथा वन भूमि का सीमांकन कराने और नारायणपुर जिले की कुछ वन भूमि को कांकेर जिले में शामिल करने की मांग कलेक्टर के समक्ष रखी, इसके साथ ही राजा मुंडा शाला भवन, प्री-मेट्रिक छात्रावास, देवगुड़ी निर्माण, हाई मास्ट सोलर लाइट और सड़क निर्माण जैसी कई प्रमुख मांगों से अवगत कराया. कलेक्टर ने इन मांगों पर अधिकारियों को परस्पर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए.

नदियों के बीच बना 'टापुनुमा' गांव अब मुख्यधारा से जुड़ेगा- भौगोलिक दृष्टि से दो नदियों के बीच स्थित सितरम गांव बारिश के मौसम में 3 से 4 महीने तक संपर्क विहीन हो जाता है, जिस कारण इसे माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना माना जाता था. वर्तमान में यहाँ 254 परिवार और 1169 की जनसंख्या निवास करती है, जहाँ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 121 आवास स्वीकृत किए गए हैं. शिविर के दौरान एसडीएम पखांजूर श्री मनीष देव साहू सहित पुलिस और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे!

नक्सलियों के बड़े डंप का खुलासा, जंगलों से 65 लाख कैश और हथियार बरामद

एक महीने से चल रहे सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों को सफलता, LMG-SLR समेत 32 हथियार मिले

बीजापुर/आशीष पदमवार। बीजापुर जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। अलग-अलग जंगलों में छिपाकर रखे गए माओवादियों के पुराने डंप से 65 लाख 52 हजार रुपए नकद, हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। कार्रवाई बीजापुर पुलिस, डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा और केंद्रीय सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने की।

पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पिछले एक महीने से जिले के अंदरूनी और संवेदनशील इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों से पूछताछ, खुफिया इनपुट और ग्रामीणों के सहयोग के आधार पर सुरक्षा बलों ने जंगलों में छिपाए गए नक्सली डंप तक पहुंच बनाई। कार्रवाई के दौरान एलएमजी, एसएलआर, कार्बाइन, .303 और .315 रायफल समेत कुल 32 हथियार बरामद किए गए। इसके अलावा बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस, बीजीएल सेल, लॉन्चर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी मिली है। पुलिस के मुताबिक हाल के दिनों में पामेड़ क्षेत्र के कवरगुट्टा जंगल और नेशनल पार्क इलाके से बरामद करीब 140 किलो अमोनियम नाइट्रेट और यूरिया को सुरक्षा मानकों के तहत नष्ट किया गया। अधिकारियों का कहना है कि इससे नक्सलियों की विस्फोटक बनाने और हथियार सप्लाई करने की क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है।

एसपी ने बताया कि वर्ष 2025-26 में अब तक जिले में 461 हथियार बरामद किए जा चुके हैं। वहीं 2024 से अब तक सुरक्षा बलों ने 517 हथियार, 1092 आईईडी, 7 करोड़ 28 लाख रुपए नकद और 8.20 किलो सोना जब्त किया है। बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 20 करोड़ रुपए बताई गई है।

उन्होंने कहा कि जिले को नक्सलमुक्त बनाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

एक महीने में जंगलों से मिला हथियारों का बड़ा जखीरा - नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने पिछले एक महीने में माओवादियों के छिपाए गए डंप से बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। बरामद सामान में अत्याधुनिक हथियारों से लेकर आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण तक शामिल हैं।

एलएमजी रायफल - 1 नग
एसएलआर रायफल - 4 नग
कार्बाइन रायफल - 1 नग
.303 रायफल - 5 नग
.315 रायफल - 1 नग
सिंगल शॉट हथियार - 5 नग
12 बोर बंदूक - 4 नग
बीजीएल लॉन्चर - 7 नग
8 एमएम पिस्टल - 1 नग
विंटेज बोल्ट एक्शन हथियार - 1 नग
बोल्ट एक्शन हथियार - 2 नग

भारी मात्रा में कारतूस भी मिले

AK-47 के 33 जिंदा कारतूस
एसएलआर रायफल के 219 कारतूस
.303 रायफल के 181 कारतूस
.315 रायफल के 118 कारतूस
पिस्टल के 16 जिंदा कारतूस
12 बोर के 10 कारतूस
बीजीएल सेल - 84 नग

आईईडी और विस्फोटक बनाने का सामान भी बरामद - सुरक्षा बलों को डंप से विस्फोटक सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीन टूल्स, लॉन्चर के पुर्जे और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण भी मिले हैं। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से नक्सलियों की हथियार सप्लाई और विस्फोटक नेटवर्क को बड़ा नुकसान पहुंचा है।

किराना दुकान की आड़ में बिक रही थी शराब, आबकारी छापे में 104 नग पौवा जब्त

बीजापुर/आशीष पदमवार। शहर के शांतिनगर इलाके में आबकारी विभाग ने अवैध शराब कारोबार पर कार्रवाई करते हुए एक किराना दुकान से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। टीम ने छापेमारी के दौरान 104 नग रॉयल स्टैग व्हिस्की पौवा बरामद किए। जब्त शराब की कुल मात्रा 18.72 बल्क लीटर बताई गई है। आबकारी विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शांतिनगर स्थित एक किराना दुकान में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। इसके बाद आबकारी आयुक्त और कलेक्टर के निर्देश पर टीम ने मौके पर दबिश दी। जांच के दौरान दुकान संचालक रामकांता मंडल के कब्जे से नॉन ड्यूटी पेड विदेशी शराब बरामद हुई। विभाग के अनुसार जब्त शराब की कीमत करीब 13 हजार 520 रुपए आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक वतन चौधरी, श्रीराम कावड़े समेत विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की अहम भूमिका रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि शांतिनगर इलाके में लंबे समय से अवैध विदेशी शराब बिक्री की शिकायतें सामने आती रही हैं। क्षेत्रवासियों का मानना है कि इस तरह की लगातार कार्रवाई से ही अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

न्यायालय तहसीलदार बेरला, जिला - बेमेतरा छ.ग.

राजस्व मामले का नोटिस

संदीप पिता जय सिंग
ग्राम लेंजवारा तहसील बेरला
जिला बेमेतरा (छ.ग ....आवेदक

विरुद्ध

प्रमोद साहू पिता दुखितराम साहू
निवासी वार्ड क्रं. 16 तालाब पारा उरकुरा
तहसील व जिला रायपुर .....अनावेदक

प्रति,
प्रमोद साहू पिता दुखितराम साहू
निवासी वार्ड कं. 16 तालाब पारा उरकुरा
तहसील व जिला रायपुर ।

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक संदीप पिता जय सिंग निवासी ग्राम लेंजवारा तहसील बेरला जिला बेमेतरा द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक एवं उनके भाई मनदीप के नाम पर शामिलात कृषि भूमि ग्राम देवरी तह. बेरला जिला बेमेतरा छ.ग. में स्थित है जिनका खसरा नं. 1640 रकबा 1. 0600 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक की उपरोक्त भूमि के सामने से देवरी से पाहंदा आने जाने वाली सार्वजनिक कच्ची मुरूम का रोड है जिनका ख.न. 1611 / 1, 1613 शासकीय भूमि ग्राम पाहंदा में स्थित है। जिन पर ही कच्ची मुरूम का रोड है। शासकीय भूमि से देवरी से पांहदा आने जाने वाली सार्वजनिक कच्ची मुरूम के रोड को अनावेदक के द्वारा अपनी भूमि में मिलाकर तार घेरा कर रास्ता अवरूद्ध कर अतिक्रमण कर रखा है। आवेदक की उपरोक्त भूमि में आने जाने हेतु रास्ता नही मिल पाता है। जिस कारण से आवेदक जो कि अपनी भूमि में कृषि कार्य करने से वंचित हो जाता है । अत: आवेदक आवेदक की भूमि ख.न. 1640 के सामने से देवरी से पांहदा आने जाने वाली सार्वजनिक कच्ची मुरूम का रोड है जिनका ख.न. 1611 / 1, 1613 शासकीय भूमि ग्राम पांहदा में स्थित है जिनमे से अनावेदक के द्वारा तार घेरा कर रास्ता अवरूद्ध किया है। जिसे आने जाने हेतु तार घेरा हटवा कर आवेदक को रास्ता दिलवायी जाने हेतु आवेदन पेश किया है।

जिसकी सुनवाई तारीख 25 /05 / 2026 के दिन के 11.00 बजे स्थान - तहसील कार्यालय बेरला में नियत है। अत: आप नियत तिथि को इस न्यायालय मे उपस्थित होंवे अन्यथा आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी ।

आज दिनांक 13/05 / 2026 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बेरला, जिला-बेमेतरा

आम - सूचना

वाके मौजा डंगनिया प.ह.न. 05 तहसील बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.) स्थित भूमि जिनका खसरा नं. 113/1, 113/2, 154/1, 155, 115, 117, 121/1, 118/3, 118/4, 119/1, 121/2, 118/2 रकबा क्रमश: 0.5600, 0.5600, 1.4100, 0.6800, 0.7800, 0.7200, 0.2600, 0.1600, 0.0400, 0.8000, 0. 2000, 0.6200 है. भूमि के संबंध में एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार भीम सिंह पिता भन्नू लाल साहू जाति तेली पता निवासी - वार्ड नं. 15 नगर पंचायत बेरला तह. बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.) एवं मनोज अग्रवाल पिता गोकुल प्रसाद अग्रवाल जाति बनिया पता निवासी - मेन मार्केट वार्ड नं. 06 अहिवारा तह अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा विक्रेतागण रामप्रसाद यादव पिता सुखलाल जाति यादव, संजय यादव पिता सुखलाल जाति यादव, मनमोहन उर्फसोनू पिता रामप्रसाद यादव जाति यादव, रूखमणी यादव पति मनमोहन यादव जाति यादव सभी निवासी बस्ती कुरूद जामुल तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) वाके मौजा डंगनिया प.ह.न. 05 तहसील बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.) स्थित भूमि जिनका खसरा नं. 113 / 1, 113 / 2, 154 / 1, 155, 115, 117, 121 / 1, 118/3, 118/4, 119/1, 121/2, 118/2 ज्ञ: 0.5600, 0.5600, 1.4100, 0.6800, 0.7800, 0.7200, 0.2600, 0.1600, 0.0400, 0.8000, 0.2000, 0.6200 हे. भूमि को खरीदने का पक्का सौदा मेरे पक्षकार भीखम सिंह पिता मन्नू लाल साहू जाति तेली पता निवासी वार्ड नं. 15 नगर पंचायत बेरला तह बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.) एवं मनोज अग्रवाल पिता गोकुल प्रसाद अग्रवाल जाति बनिया पता निवासी मेन मार्केट वार्ड नं. 06 अहिवारा तह अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा विक्रेतागण रामप्रसाद यादव पिता सुखलाल जाति यादव, संजय यादव पिता सुखलाल जाति यादव, मनमोहन उर्फसोनू पिता रामप्रसाद यादव जाति यादव, रूखमणी यादव पति मनमोहन यादव जाति यादव सभी निवासी पुरानी बस्ती कुरूद जामुल तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) से कर लिया है तथा पंजीयन कार्यालय मे पंजीयन कराया जाना शेष है। एवं उक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, सोसायटी, बैंक, शासकीय, अर्ध शासकीय निकाय महाजन अथवा किसी अन्य को किसी भी प्रकार से कोई भी आपत्ति या उजर या दावा हो तो आम सुचना के प्रकाशन तिथि के 15 दिनों के भीतर मेरे कार्यालय में दस्तावेज सहित प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेवें । समयावधि के पश्चात् किसी भी प्रकार से आपत्ति या उजर या दावा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा तथा इनके समक्ष शुन्य एवं अवैध समझी जायेगी तथा मेरे पक्षकार के पक्ष में बयनामा पंजीयन निष्पादित करा लिया जावेगा ।

सो सुचना जानें !

स्थान- बेरला
दिनांक - 13/05/2026

दिलीप कुमार साहू
अधिवक्ता
राजस्व न्यायालय बेरला
जिला - बेमेतरा (छ. ग.)

नाम परिवर्तन

मैं टेकु पिता जनक जाति सतनामी निवासी ग्राम नवलपुर पो. गाड़ामोर तह नवागढ़ जिला बेमेतरा (छत्तीसगढ़) पिन नं. 491337 एतद्वारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हू।

यह कि, मेरा नाम एवं पता उपरोक्तानुसार है।

यह कि, मेरे पुत्र का वास्तविक नाम गजरतन पाटले पिता टेकू है जो कि उनके जन्म प्रमाण पत्र / स्कूली दस्तावेजों में अंकित है । किन्तु मेरे पुत्र के नाम से जारी आधार कार्ड क्र. 9298-4208-8842 में उनके घरेलू नाम समर पाटले पिता टिक्कू पाटले अंकित होने के कारण से वैधानिक परेशानी उत्पन्न हो रहा है । यह कि, मैं अपने पुत्र के नाम से जारी आधार कार्ड 9296-4208-8642 में समर पाटले पिता टिकू पाटले के स्थान पर जन्म प्रमाण पत्र / स्कूली दस्तावेजों के अनुसार परिवर्तन कर गजरतन पाटले पिता टेकू सुधार करवाना चाहता / चाहती हूं ।

मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा/रहूंगी।

मेरे पत्नी / मेरी पति श्रीमती सरस्वती (पत्नी /पति का नाम) को हमारे / हमारी नाबालिग पुत्र / पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है ।

मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं / रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं/ रही हूं ।

टेकु
शपथकर्ती

नाम परिवर्तन

मैं प्रहलाद निषाद उम्र 37 वर्ष पिता सुधेराम निषाद जाति केंवट निवासी मकान नं. 07 ग्राम करमसेन पोस्ट नांदघाट तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा (छ.ग.) 491340 जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करता हूं कि

यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।

यह कि मुझ आवेदक की पुत्री का आधार कार्ड बना हुआ है जिसमें मेरी पुत्री का नाम खिलेश्वरी निषाद (KHILESH-WARI NISHAD) पिता प्रहलाद निषाद जन्मतिथि 01.01.2012 दर्ज है। जो त्रुटिपूर्ण है। मेरी पुत्री के आधार कार्ड नं.-876286366698 है। जो नाबालिक है।

यह कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में एवं स्कूली रिकार्ड अंकसूची में नेहा (NEHA) पिता प्रहलाद निषाद जन्मतिथि 19.06.2011 है जो सत्य व सही है तथा मेरी पुत्री नेहा (ह्रश्व॥) पिता प्रहलाद निषाद के नाम से जानी पहचानी जाती है तथा भविष्य में भी इसी नाम से जानी व पहचानी जायेगी। यह कि मैं अपनी पुत्री के आधार कार्ड में नाम खिलेश्वरी निषाद (KHILESHWARI NISHAD) पिता प्रहलाद निषाद जन्मतिथि 01.01.2012 के स्थान पर परिवर्तन कर जन्म प्रमाण पत्र व अंकसूची अनुसार नेहा (ह्रश्व॥) पिता प्रहलाद निषाद जन्मतिथि 19.06.2011 दर्ज किये जाने शपथ पत्र प्रस्तत करने की आश्यकता हुई है। अत: यह शपथ पत्र प्रस्तुत है ।

प्रहलाद निषाद
शपथकर्ती

नाम परिवर्तन

मैं धनेश्री निषाद पिता स्व. तुलसी पति सुखीराम निषाद आयु 63 वर्ष, जाति केंवट, निवासी ग्राम झुलना, पो. मारो तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) का निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं :-

1/ यह कि, मैं उपरोक्त नाम व पते का निवासी हूं ।

2/ यह कि, मेरे भूमि सम्बंधी दस्तावेज बी-1 ऋण पुस्तिका में धनेश्वरी (DHANESH-WARI) पिता स्व. तुलसी दर्ज है जो कि त्रुटिवश गलत नाम अंकित गया है, जबकि मेरे, आधार कार्ड, परिचय पत्र, पेन कार्ड, शासकीय/अर्द्धशासकीय / अशासकीय एवं अन्य समस्त दस्तावेजों मेरा नाम धनेश्री बाई निषाद (DHANESHRI NISHAD) पिता स्व. तुलसी पति सुखीराम निषाद रखना चाहती हूं, और इसी नाम से जाना व पहचाना जाना चाहती हूं, तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु अब मैं अपना नाम धनेश्री बाई निषाद (DHANESHRI NISHAD) पिता स्व: तुलसी पति सुखीराम निषाद रखना चाहती हूं, जिसके चलते मेरे भूमि सम्बंधी दस्तावेज बी-1 ऋण पुस्तिका समस्त शासकीय / अर्द्धशासकीय / अशासकीय व अन्य दस्तावेजों में जहाँ कहीं भी मेरा नाम धनेश्वरी (DHANESHWARI) पिता स्व. तुलसी दर्ज के स्थान पर संशोधन कर - धनेश्री बाई निषाद (DHANESHRI NISHAD) पिता स्व. तुलसी पति सुखीराम निषाद दर्ज कराना चाहता हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूं 7

3/ यह कि, उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

धनेश्री निषाद
शपथकर्ती

नाम परिवर्तन

मैं बशीरन बी पिता सलामत बेग, उम्र लगभग 52 वर्ष, जाति मुसलमान, निवासी ग्राम व पो. सरदा, तहसील बेरला जिला बेमेतरा, छ.ग. की निवासी हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करती हूं कि :-

यह कि मैं ऊपर दर्शित पते का निवासी हूं

यह कि मेरे नाम से जारी आधार कार्ड मे नाम बसोरीन बी शेख (BASORIN BI SHEIKH) गलत रूप से अंकित हो गया है जबकि बी-1, ऋण पुस्तिका एवं अन्य समस्त शासकीय /अशासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेजो में मेरा नाम बशीरन बी (BASHIRAN BI) पिता सलामत बेग दर्ज है जो कि मेरा सही वास्तविक नाम है । अब मैं अपना नाम बशीरन बी (BASHIRAN BI) पिता सलामत बेग दर्ज कराना चाहती हूं और इसी नाम से मै जानना एवं पहचानना जाना चाहती हूं तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु मैं अपना नाम बशीरन बी (BASHIRAN BI) पिता सलामत बेग रखना चाहती हूं । जिसके चलते उसके आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय / अर्द्धशासकीय / अशासकीय तथा अन्य दस्तावेजों में जहां कही भी मेरा नाम बसोरीन बी शेख (BASORIN BI SHEIKH) दर्ज है के स्थान पर संशोधन कर - बशीरन बी (BASHIRAN BI) पिता सलामत बेग कराना चाहती हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित कराना चाहती हूं ।

3. यह कि उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

बशीरन बी
शपथकर्ती

आदर्श आचार संहिता लागू होने से कुछ वार्ड एवं ग्राम पंचायतों को रखा गया सुशासन तिहार शिविर से मुक्त

बिलासपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले जन समस्या निवारण शिविरों के संबंध में आंशिक संशोधन आदेश जारी किया गया है। नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के मद्देनजर कुछ क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण संबंधित वार्ड एवं ग्राम पंचायतों को सुशासन तिहार शिविर कार्यक्रम से मुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार नगर निगम बिलासपुर के जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 29 में आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण 2 जून 2026 को एल-2 दुर्गा पंडाल के पास प्रस्तावित शिविर से मुक्त किया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत उपचुनाव वाले क्षेत्रों में भी सुशासन तिहार के अंतर्गत प्रस्तावित जन समस्या निवारण शिविरों में आंशिक संशोधन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार जिन ग्राम पंचायतों में आदर्श आचार संहिता लागू है, वहां प्रस्तावित शिविरों से इन ग्रामों को मुक्त किया गया है। इनमें गतोरा, रिस्दा, गिधपुरी-ओखर, करगीखुर्द, केवटाडीह (भू.) तथा कलारतराई,रानीसागर पंचायत क्षेत्र शामिल हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है।

खबर प्रकाशित होने के बाद बदला गया जिले का नाम, लेकिन व्यवस्थाएं अब भी जस की तस

बरमकेला लाइब्रेरी में अंदर लगे सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बैनर हटाए गए, बाहर केवल नाम बदलकर की गई खानापूर्ति

मूक पत्रिका/बरमकेला स्थित मुख्यमंत्री युवा केंद्र एवं लाइब्रेरी की बदहाल स्थिति को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में जरूर आया, लेकिन अब तक केवल औपचारिक कार्रवाई ही देखने को मिली है। वर्षों से उपेक्षा और अव्यवस्था का शिकार हो रहे इस लाइब्रेरी केंद्र में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है।

स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों का कहना है कि खबर सामने आने के बाद प्रशासन ने लाइब्रेरी की वास्तविक समस्याओं को दूर करने के बजाय केवल औपचारिकता निभाने का प्रयास किया। जिस लाइब्रेरी में वर्षों से पेयजल, साफ-सफाई, प्रसाधन और अध्ययन सामग्री जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, वहां अब तक स्थायी सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम दिखाई नहीं दिया है।

पहले बैनर सुधारा बाद में पूरा ही निकाला गया

खबर प्रकाशित होने के बाद सबसे पहले लाइब्रेरी परिसर में लगे पुराने बोर्ड और बैनरों को लेकर हलचल शुरू हुई। जानकारी के अनुसार लाइब्रेरी के अंदर लगे रायगढ़ जिले के पुराने बैनरों को हटा दिया गया, जबकि दीवार में रायगढ़ जिले को हटाकर खानापूर्ति कर दी गई।

स्थानीय युवाओं का आरोप है कि प्रशासन ने ÷रायगढ़÷ की जगह ÷सारंगढ़-बिलाईगढ़÷ लिखकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली, लेकिन लाइब्रेरी की वास्तविक समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। उनका कहना है कि केवल बोर्ड बदल देने से विद्यार्थियों की परेशानियां समाप्त नहीं होंगी।

मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परेशान विद्यार्थी- लाइब्रेरी में आज भी नियमित देखरेख के लिए कोई कर्मचारी मौजूद नहीं है। साफ-सफाई की स्थिति खराब बनी हुई है, जिसके कारण अध्ययन का वातावरण प्रभावित हो रहा है। गर्मी के मौसम में सबसे बड़ी समस्या पेयजल की बनी हुई है। परिसर में प्रसाधन कक्ष तो मौजूद है, लेकिन वहां पर्याप्त पानी की व्यवस्था नहीं है। कूलर भी रखा गया है, लेकिन उसमें नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था नहीं होने के कारण उसका उपयोग ठीक से नहीं हो पा रहा है।

विद्यार्थियों के अनुसार कई बार उन्हें स्वयं पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं का कहना है कि घंटों पढ़ाई करने के बावजूद उन्हें मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन वास्तव में युवाओं और शिक्षा को लेकर गंभीर होता, तो सबसे पहले पेयजल, साफ-सफाई और प्रसाधन जैसी सुविधाओं को दुरुस्त किया जाता।

युवाओं के सपनों का केंद्र रही है यह लाइब्रेरी- बरमकेला का यह लाइब्रेरी केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र के गरीब और मेहनती युवाओं के सपनों का आधार रहा है। यहां बरमकेला ही नहीं बल्कि आसपास के विभिन्न गांवों से भी विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने पहुंचते रहे हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कई विद्यार्थी बड़े शहरों में जाकर महंगी लाइब्रेरी या कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई नहीं कर सकते। ऐसे में यह लाइब्रेरी उनके लिए सबसे बड़ा सहारा बनकर सामने आई थी।

सीमित संसाधनों के बावजूद यहां पढ़ाई कर कई युवाओं ने शिक्षक भर्ती, जल संसाधन विभाग, अग्निवीर तथा अन्य विभिन्न विभागों में सफलता हासिल की है। वर्तमान में भी कई विद्यार्थी यहां अध्ययन कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इसी कारण स्थानीय लोग इस लाइब्रेरी को केवल अध्ययन केंद्र नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हैं।

केवल नाम बदलने से नहीं बदलेगी स्थिति- स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों का कहना है कि प्रशासन यदि वास्तव में शिक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर है, तो केवल बोर्ड और बैनर बदलने से काम नहीं चलेगा।

उनका कहना है कि लाइब्रेरी में नियमित कर्मचारी की नियुक्ति, साफ-सफाई, पेयजल, प्रसाधन और अन्य आवश्यक सुविधाओं को फिर से व्यवस्थित करना आवश्यक है।

लोगों का मानना है कि जिस लाइब्रेरी ने क्षेत्र के अनेक युवाओं को सफलता दिलाई, उसे इस स्थिति में छोड़ देना दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि समय रहते व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले समय में यह महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र पूरी तरह अपनी पहचान खो सकता है।

विद्यार्थियों ने की स्थायी समाधान की मांग- बरमकेला और आसपास के गांवों से आने वाले विद्यार्थियों ने प्रशासन से मांग की है कि लाइब्रेरी की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए। उनका कहना है कि केवल औपचारिक निरीक्षण या नाम परिवर्तन से समस्या समाप्त नहीं होगी।

युवाओं ने मांग की है कि यहां नियमित देखरेख के लिए कर्मचारी नियुक्त किए जाएं, पेयजल और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था बहाल की जाए तथा विद्यार्थियों के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण तैयार किया जाए। क्षेत्र के विद्यार्थियों का कहना है कि यदि प्रशासन थोड़ी गंभीरता दिखाए, तो यह लाइब्रेरी फिर से पहले की तरह सैकड़ों युवाओं के भविष्य को दिशा देने का कार्य कर सकती है।

इस सम्बंध में जानकारी हेतु बरमकेला विकासखंड खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुर्रे से दूरभाष के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश की गई परंतु उन्होंने फोन नहीं उठाया

मूक पत्रिका — प्रादेशिकी — www.mookpatrika.com — बेमेतरा, मंगलवार 12 मई 2026 — 3

अव्यवस्था का शिकार होता बरमकेला का एकमात्र लाइब्रेरी केंद्र, सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ती युवाओं की उम्मीदें, जिम्मेदारों की अनदेखी से बिगड़ती जा रही स्थिति

बरमकेला/मूक पत्रिका

बरमकेला में भाजपा महिला मोर्चा का महाशक्ति विस्तार, नई टीम के ऐलान से संगठन में जोश की लहर

प्रदेश नेतृत्व के भरोसे पर महिला शक्ति को बड़ी जिम्मेदारी, गांव-गांव तक गूंजेगा भाजपा का विजय मंत्र

मूक पत्रिका/बरमकेला। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा मंडल बरमकेला की नई कार्यसमिति घोषित होते ही पूरे क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं और महिला शक्ति के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और महिलाओं की भागीदारी को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से भाजपा नेतृत्व ने यह बड़ा फैसला लिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के निर्देशन, संभाग प्रभारी रामू रोहरा, जिला प्रभारी शंकरलाल अग्रवाल, जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति पटेल एवं जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष बेजयंती नंदू लहरे मनोहर पटेल जिला उपाध्यक्ष की सहमति से मंडल अध्यक्ष राजकिशोर पटेल के अनुशंसा पर महिला मोर्चा मंडल बरमकेला की नई कार्यकारिणी घोषित की गई।

नई कार्यसमिति में बड़े नावापारा की सविता गजानंद गड़तिया को अध्यक्ष बनाकर संगठन ने महिला नेतृत्व पर मजबूत भरोसा जताया है। जिसमे चन्द्रकला नायक उपाध्यक्ष , संतोषी रात्रे उपाध्यक्ष , जसोवती चौहान उपाध्यक्ष , एवं कौशल्या नायक को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर संगठन विस्तार का संदेश दिया गया है। वहीं हेमलता नायक महामंत्री,धावीका साहू को महामंत्री नियुक्त किया गया है। संगठन ने

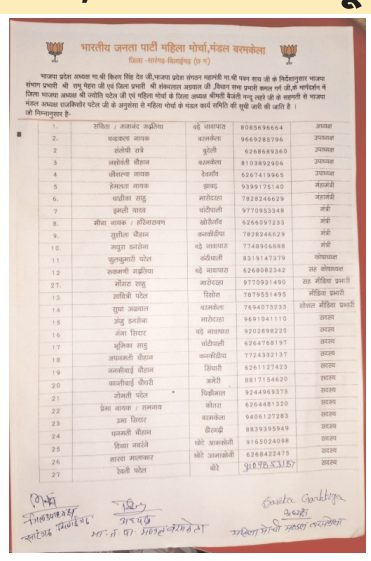
भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा,मंडल बरमकेला

इमली यादव यादव मंत्री , मीना नायक मंत्री , सुशीला चौहान मंत्री एवं मधुरा डनसेना को मंत्री बनाकर महिला शक्ति को नई पहचान दी है। फूलकुमारी पटेल को कोषाध्यक्ष तथा रूकमणि गड़तिया को सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सोशल मीडिया प्रबंधन को भी मजबूती देते हुए सावित्री पटेल को मीडिया प्रभारी, मोंगरा साहू को सह मीडिया प्रभारी एवं सुधा अग्रवाल को सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा संगठन ने विभिन्न गांवों की महिलाओं को सदस्य बनाकर भाजपा की जमीनी ताकत को और मजबूत करने का संदेश दिया है। सदस्य के रूप में अंजू डनसेना, गंगा सिदार , भूमिका साहू, अधनमती चौहान, ननकीबाई चौहान, कांतिबाई चौधरी, गोमती पटेल, प्रेमा नायक, उमा सिदार, धनमती चौहान, दिव्या नवरगे, शारदा मालाकार एवं रेवती पटेल को जिम्मेदारी दी गई है। नई टीम की घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि महिला मोर्चा की यह नई टीम आने वाले समय में गांव-गांव तक भाजपा की रीति-नीति, जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन की ताकत को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। बरमकेला में भाजपा महिला मोर्चा का यह विस्तार संगठन के लिए नई ऊर्जा और नई राजनीतिक ताकत के रूप में देखा जा रहा है।

यूडब्ल्यूए इंडिया ने सालाना स्कॉलरशिप देने का एक अहम ऐलान किया

यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (यूडब्ल्यूए) ने यूडब्ल्यूए इंडिया के ज़रिए एक अहम स्कॉलरशिप प्रोग्राम का ऐलान किया है। यह भारतीय बाज़ार में अपने आप में सबसे बड़ी और अहम पहलों में से एक है। इस पहल से यूडब्ल्यूए की उस लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को और मज़बूती मिलती है, जिसके तहत वह अलग-अलग एकेडमिक, सामाजिक-आर्थिक और क्षेत्रीय पृष्ठभूमि वाले होनहार स्टूडेंट्स के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त एजुकेशन को ज़्यादा आसानी से उपलब्ध बनाना चाहता है। प्रोफेसर अमित चकमा, वाइस-चांसलर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि स्कॉलरशिप देने की यह अहम प्रतिबद्धता भारत के प्रति यूडब्ल्यूए की गहरी और अटूट निष्ठा को दिखाती है। हम विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त यूडब्ल्यूए शिक्षा तक पहुंच का विस्तार कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि आर्थिक तंगी किसी की भी महत्वाकांक्षाओं की राह में रोड़ा न बने। हमारा लक्ष्य पूरे भारत के प्रतिभाशाली छात्रों को सशक्त बनाना है, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें और वैश्विक स्तर पर करियर बनाने के लिए खुद को तैयार कर सकें। यूडब्ल्यूए इंडिया के लिए आवेदन अब खुले हैं। मुंबई और चेन्नई में अपने कैंपस के साथ, यूडब्ल्यूए इंडिया स्टेम, बिज़नेस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम की एक विस्तृत सीरीज़ पेश करेगा। ये प्रोग्राम ग्लोबल इंडस्ट्री की मांगों और भारत की बदलती कार्यबल की ज़रूरतों के अनुरूप होंगे।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट, जिला अस्पताल और जिला पंचायत भवन निर्माण का निरीक्षण किया

कलेक्टर ने डिजाइन अनुसार हो रहे कार्यों का अवलोकन किया

आवश्यक सुधार करने अधिकारियों को दिए निर्देश

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़ 13 मई 2026/ कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिला मुख्यालय सारंगढ़ में निर्माणाधीन कलेक्टोरेट सयुंक्त जिला कार्यालय (कंपोजिट बिल्डिंग) जिला अस्पताल भवन निर्माण का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ड्राइंग डिजाइन के अनुसार निर्माणाधीन कंपोजिट बिल्डिंग को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण स्थल पर अधिकारियों से ड्राइंग डिजाइन अनुसार सभी विभाग के लिए बन रहे निर्माण की जानकारी टेबल पर ली। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के शीर्ष कार्यालय को अब तक भेजे गए स्टीमेट की स्वीकृति, उपलब्ध बजट, उच्च अधिकारियों के निर्देश आदि की जानकारी ली और कुछ आवश्यक सुधार करने के निर्देश अधिकारियो को निर्देश दिए। कलेक्टर ने भूतल व प्रथम तल स्थित कक्ष, मीटिंग हॉल, वेटिंग हॉल, शौचालय आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी श्रमिक, पलस्तर, वायरिंग, फाल सीलिंग जैसे कार्यों में व्यस्त थे। उन्होंने जिला पंचायत के कार्यालय निर्माण का भी अवलोकन किया, जहां नींव स्तर का काम लगभग पूर्ण हो चुका है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग पी एल पैकरा, जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, एसडीएम वर्षा बंसल, डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, तहसीलदार नन्दकिशोर सिन्हा, एसडीओ पटेल सहित खुशीराम नायक, ठेकेदार आदि उपस्थित थे।

अन्याय और भ्रष्टाचार के विरुद्ध शिवसेना का शंखनादः जन-जागरण चलाते हुए बाजार-बाजार जाकर किए पर्चे वितरण

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर/ कांकेरः- दुर्गुकोंदल शिवसेना तहसील ईकाई दुगूकोंदल द्वारा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, शोषण और अन्यायपूर्ण व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करने तथा आम नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शिवसेना द्वारा एक व्यापक जन- जागरण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत् शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रमुख बाजारों में सार्वजनिक स्थान और भीड़भाड़ वाले इलाको में जन प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं। इसी तारतम्य में कार्यकर्ताओं ने जन जागृत करते हुए बरहेली सप्ताहिक बाजार में पर्चा वितरण किया। शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने कहा हमारा उद्देश्य केवल समाज को जागरूक करना नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण करना हैं जब तक हर नागरिक को न्याय नहीं मिल जाता हमारा यह संघर्ष जारी रहेगा। हमारे कार्यकर्ता व पदाधिकारी बाजार-बाजार जाकर नागरिकों को शासन प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। दुबे ने यह स्पष्ट कहा कि अन्याय और अत्याचार को अब और

नहीं सहन किया जाएगा। दबे-कुचले वर्ग मजदूरों को न्याय दिलाने के लिए शिवसेना सड़क से लेकर प्रशासन तक संघर्ष करेगा। भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों और कानून के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक स्तर पर पर्चा बांटे गए। इस अभियान में मुख्य रूप से सुकचंद मंडावी सम्पत सिन्हा भोला नेताम शिवराज गावड़े रामसिंह तोप्पा अनिल नेताम सुरेश रावटे माखन पटेल डिपेंद कुंजाम सहित शिवसेना के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

मोटोरोला ने भारत में लॉन्च किया अपना पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन मोटोरोला रेज़र फोल्ड

मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में दुनिया की अग्रणी कंपनी और भारत के नंबर 1 एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज अपना पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन मोटोरोला रेज़र फोल्ड लॉन्च किया। यह फोन काम और मौज-मस्ती को नए अंदाज़ में पेश करता है और यूज़र्स बिना किसी रुकावट के काम कर सकते हैं, कुछ नया बना सकते हैं और एक साथ कई काम कर सकते हैं। इस डिवाइस में दुनिया का सबसे बेहतरीन फोल्डेबल कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसे इमेजिंग की बेहतरीन क्वालिटी के लिए डीएक्सओमार्क गोल्ड लेबल मिला है। इसमें दुनिया का एकमात्र ट्रिपल 50MP प्रो-ग्रेड फोल्डेबल कैमरा सिस्टम है, जो एडवांस्ड सोनी LYTIA™ 828 और सोनी LYTIA™ 600 कैमरे पर आधारित है और मोटो एआई से लैस है। यह फ्लैगशिप-स्तर की स्पष्टता, सिनेमाई डायनेमिक रेंज, एकदम असली रंग, तेज़ शेडो, कम ग्रेन, ब्लर-फ्री शॉट्स, पैंटोनइ वैलिडेटेड टूकलर्स और स्किनटोन सटीकता देता है। साथ ही मोटो एआई वीडियो एन्हांसमेंट इंजन के साथ 8K डॉल्बी विजन0 रिकॉर्डिंग की सुविधा है, जिसमें इंडस्ट्री-फर्स्ट ड्यूल टोन मैपिंग इंजन है और सभी लेंस से 60fps तक 4K डॉल्बी विजन0 रिकॉर्डिंग भी मिलती है। 6,000mAh सिलिकॉन-कार्बन बैटरी, 80W टर्बोपावर चार्जिंग और 50W वायरलेस चार्जिंग के साथ मोटोरोला रेज़र फोल्ड में शानदार 165H5 LTPO एक्सटर्नल डिस्प्ले और इमर्सिव 2K मेन डिस्प्ले भी है। स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 प्रोसेसर से पावर्ड यह फोन एडवांस्ड ऑन-डिवाइस एआई प्रोसेसिंग से इमेजिंग को और भी बेहतर बनाता है।

दिन भर के जद्दोजहद के बाद अस्पताल के प्लेसमेंट कर्मचारी लौटे काम पर

एसडीएम ने कंपनी ॥क्रको लगाई फटकार। -कहा दोबारा गलती हुई तो 'कामथेस' कंपनी का टेंडर होगा रद्द

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेर :- कांकेर दिन भर से जद्दोजहद के बाद इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारी का काम बंद समाप्त हुआ। एसडीएम, श्रम पदाधिकारी, अस्पताल के अधिकारी के बीच हुई समझौता के बाद कर्मचारी काम पर लौटे।

उल्लेखनीय है कि कल ठेकेदार के सुपरवाइजर ने दो सफाई कर्मियों रात 12 बजे वॉट्स एप मैसेज के माध्यम से काम से निकाल दिया था। जिससे कर्मचारी आक्रोशित होकर आज तड़के से कोमलदेव अस्पताल, अलबेलापारा का मातृ शिशु सदन, और नादनमारा के मेडिकल कॉलेज में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों ने काम बंद कर सुबह 9 बजे कांकेर पुलिस थाना में पहुंचकर ठेकेदार और उसके सुपरवाइजर के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने पहुंच गए। आंदोलनकारियों का मांग था कि ठेकेदार ने सरकारी निर्धारित न्यूनतम वेतन की राशि मेडिकल कॉलेज से आहरण कर कर्मचारियों को कम राशि का भुगतान करता था। इस आर्थिक गबन के साथ कर्मचारियों के खाते से वेतन की राशि वापस ले लेना कर्मचारियों को डराने धमकाने का काम

करते थे। पुलिस थाना में ही आंदोलनरत कर्मचारियों से तहसीलदार ने बातचीत कर समस्या का निदान चाहते थे जिस पर आंदोलनकारियों ने नकार दिया। शिकायत दर्ज करने के बाद कलेक्टर ने हस्तक्षेप कर एसडीएम, श्रम पदाधिकारी, अस्पताल के अधिकारी, कर्मचारी और यूनियन के प्रतिनिधियों के बीच हुई चर्चा का प्रमुख बिंदु था पिछले 4 वर्षों से कर्मचारियों को जो कम वेतन भुगतान किया गया है उस राशि का भुगतान कब और कैसे होगा जिसमे यह सहमति बनी है कि श्रम पदाधिकारी 15 दिवस के भीतर जांच कर कानूनी कार्यवाही करेंगे।

ई एसआई कार्ड 6 दिवस के भीतर वितरित किया जाएगा। उसके साथ जिन कर्मचारियों का ई एसआई का कार्ड नहीं होने के कारण लाभ नहीं मिला है उनको भी लाभ की राशि हेतु श्रम पदाधिकारी ऊंचित कार्यवाही करेंगे।

चर्चा में किसी भी कर्मचारी को काम से नहीं निकाले जाने पर सहमति बनी और ठेकेदार के सुपरवाइजर को भी नसियत दिया गया कि कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार न करें। सरकारी राशि का गबन करने के आरोप में संबंधित कंपनी के मालिक के खिलाफ एफ आई आर करने की मांग पर इस पर कुछ दिनों का समय दिया गया।

संपूर्ण बैठक में लिए गए निर्णय का मिनिट्स सभी पक्ष के हस्ताक्षर के बाद सभी पक्ष को दिए जाने का निर्णय हुआ है।

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता से करें : सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई

समय सीमा की बैठक में लंबित प्रकरणों, योजनाओं के क्रियान्वयन, खाद बीज वितरण, पेयजल व्यवस्था सहित की समीक्षा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष दिशा भवन में अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं, लंबित प्रकरणों, 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों सहित शासन की प्राथमिकताओं और जनहित के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए लंबित प्रकरणों के निराकरण में प्राथमिकता तय करने, जनहित के कार्यों को गुणवत्ता पूर्वक समय पर पूर्ण करने कहा है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रशासन में पारदर्शिता लाना और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना सुनिश्चित किया जाए।

सुशासन, जवाबदेही और संवेदनशीलता की झलक परिलक्षित हो- कलेक्टर ने बैठक में कहा कि शासन की मंशा अनुरूप नागरिकों की समस्याओं का समाधान हो और उन्हें सकारात्मक लाभ मिले, सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि

आम नागरिकोंको अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अनावश्यक रूप से परेशानी का सामना न करना पड़े , इसे ध्यान में रखकर सभी अधिकारी जवाबदेही पूर्वक गंभीरता से कार्य करें। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय कार्यालयों में आने वाले नागरिकों के साथ संवेदनशीलता से व्यवहार किया जाए। उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुने। 'सुशासन तिहार' का मूल मंत्र समय सीमा के भीतर काम को पूर्ण करना है, ताकि जनता का प्रशासन पर भरोसा मजबूत हो। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य हर पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाना है।

आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें - कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जनसामान्य से प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित पंजी में दर्ज करने के साथ ही गुणवत्ता पूर्ण निराकरण करें। कलेक्टर ने कहा कि जनसामान्य की अपनी समस्याओं, मांगो, शिकायतों के निराकरण के लिए दफ्तरों का चक्कर लगाना ना पड़े, सुनिश्चित करें। प्रकरणों के निराकरण में गुणवत्ताः सुनिश्चित करें कलेक्टर ने कहा कि केवल संख्यात्मक आधार पर प्रकरणों/ फाइलों का निपटारा न करें, बल्कि गुणात्मक निराकरण हो, यह सुनिश्चित करें । कलेक्टर ने कहा कि आवेदक की समस्या का उचित समाधान हो, और उन्हें सकारात्मक लाभ मिले, निर्धारित करें। कलेक्टर ने कहा कि धरातल पर समाधान परिलक्षित होनी चाहिए।

खाद एवं बीज वितरण पर रखें पैनी निगरानी- कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देशित किया है कि किसानों को प्रयाप्त खाद बीज मिले, कही भी अव्यवस्था निर्मित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने राजस्व सहित अन्य अधिकारियों को खाद बीज वितरण पर पैनी नजर रखने कहा है। कलेक्टर ने आगामी कृषि सीजन को देखते हुए खाद और बीज की उपलब्धता की निरंतर मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया है। जमाखोरी पर लगाम लगाएं कलेक्टर ने बैठक में खाद, बीज की अवैध भंडारण या कालाबाजारी करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पेयजल व्यवस्था निर्बाध आपूर्ति होनी चाहिए कलेक्टर ने गर्मी मौसम को देखते हुए कहा है कि पेयजल की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि नगरी निकाय क्षेत्रों में जहां कहीं भी पानी की दिक्कत हो वहां नागरिकों को आबाद रूप से जलापूर्ति हो इसके लिए टैंकर से पानी आपूर्ति किया जाए, इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी पेय जल की आपूर्ति के लिए सजकता से कार्य करने निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा है कि पाइपलाइन लीकेज या हैंडपंप खराब होने की स्थिति में संबंधित विभाग तुरंत सक्रिय होकर उसे ठीक करें।

महिला बाल विकास विभाग मे स्पॉन्सरशिप योजना से जरूरतमंद बच्चों को मिल रहा सहारा

अनाथ, दिव्यांग एवं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के जीवन स्तर सुधारने की दिशा में प्रभावी पहल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार बाल कल्याण समिति बेमेतरा द्वारा जिले के जरूरतमंद एवं विशेष देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए लगातार संवेदनशील पहल की जा रही है। इसी क्रम में स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत अनाथ, दिव्यांग एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। बाल कल्याण समिति द्वारा पूर्व में 93 बच्चों को योजना से लाभान्वित किया गया था, वहीं विगत माह अप्रैल 2026 में अतिरिक्त 125 बच्चों को योजना के तहत चयनित कर लाभ प्रदान किया गया। योजना का उद्देश्य ऐसे बच्चों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना तथा उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्पॉन्सरशिप योजना के माध्यम से पात्र बच्चों को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य उपचार, स्कूल सामग्री, आवश्यक देखभाल एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इससे आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित होने वाले बच्चों को निरंतर पढ़ाई जारी रखने में मदद मिल रही है। अधिकारियों ने बताया कि कई ऐसे परिवार, जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है अथवा जिन बच्चों के माता-पिता नहीं हैं या वे विशेष परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं, उन्हें इस योजना के माध्यम से संरक्षण एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है। योजना बच्चों के समग्र विकास, आत्मविश्वास वृद्धि एवं सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बाल कल्याण समिति द्वारा समय-समय पर बच्चों एवं उनके परिजनों की काउंसलिंग भी की जा रही है, ताकि बच्चों का मानसिक एवं सामाजिक विकास बेहतर ढंग से हो सके। साथ ही बच्चों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ने का कार्य भी प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई ऐसा बच्चा हो जो अनाथ, दिव्यांग, निराश्रित अथवा आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर हो, तो उसकी जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अथवा बाल कल्याण समिति को दें, ताकि पात्र बच्चों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जा सके। जिले में संचालित यह पहल जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ उन्हें सुरक्षित, सम्मानजनक एवं बेहतर भविष्य प्रदान करने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है।

रेत एवं चूनापत्थर से भरे 03 हाईवा वाहन जप्त, एक लाख से अधिक अर्थदण्ड की होगी वसूली

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) द्वारा 12 मई 2026 को मारो एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान खनिजों का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर रेत से भरे 01 हाईवा वाहन तथा खनिज चूनापत्थर से भरे 02 हाईवा वाहनों को जप्त किया गया। खनिज विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए जप्त सभी वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस चौकी मारो में

खड़ा कराया गया है। साथ ही संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध अवैध खनिज परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त मामलों में खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23-ख के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। तीनों प्रकरणों में कुल 1 लाख 500 रुपये की अर्थदण्ड राशि वसूली करते हुए प्रशमन की कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनिज संपदा के संरक्षण तथा शासन के राजस्व की सुरक्षा के लिए आगे भी लगातार जांच एवं कार्रवाई जारी रहेगी।

बेमेतरा जिले में 24 हजार से अधिक कृषकों को वितरित किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्ड

वैज्ञानिक मृदा परीक्षण से किसानों को मिल रही संतुलित उर्वरक उपयोग एवं बेहतर उत्पादन की जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करने एवं भूमि की उर्वरता बनाए रखने के उद्देश्य से जिले में मृदा परीक्षण अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। कृषि विभाग अंतर्गत संचालित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से कृषकों से मृदा नमूने प्राप्त कर उनका वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है। विश्लेषण उपरांत किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें अपनी भूमि की गुणवत्ता एवं आवश्यक पोषक तत्वों की सटीक जानकारी मिल रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों के लिए खेती का वैज्ञानिक मार्गदर्शक बनकर सामने आया है। इसके माध्यम से

कृषकों को संतुलित उर्वरक उपयोग, फसलवार पोषक तत्व प्रबंधन तथा उत्पादन लागत कम करने में सहायता मिल रही है। इससे न केवल कृषि उत्पादन में वृद्धि हो रही है, बल्कि भूमि की उर्वरता एवं गुणवत्ता में भी सुधार देखा जा रहा है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले के कृषकों को अब तक कुल 8074 मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं। वहीं पिछले तीन वर्षों में जिले के 24074 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।

ग्राम स्तर पर चलाया जा रहा जागरूकता अभियान-कृषि विभाग द्वारा किसानों को मृदा परीक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार ग्राम स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 5 मई से 20 मई 2026 तक जिले के 104 ग्रामों में ÷विकसित कृषि संकल्प अभियान÷ संचालित किया जा रहा है।

अभियान के तहत कृषि अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों की टीम किसानों से सीधे संपर्क कर उन्नत कृषि तकनीकों के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व एवं उपयोग की जानकारी दे रही है। अभियान के दौरान किसानों को बताया जा रहा है कि नियमित मृदा परीक्षण से भूमि में उपलब्ध पोषक तत्वों की सही जानकारी मिलती है, जिससे आवश्यकता अनुसार उर्वरकों का उपयोग किया जा सकता है। इससे अनावश्यक उर्वरक खर्च कम होने के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता में भी सुधार होता है।

वैज्ञानिक पद्धति अपनाने की अपील-जिले के उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने कृषकों से अपील की है कि वे अपनी भूमि का नियमित मृदा परीक्षण कराकर वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन से भूमि की उत्पादकता लंबे समय तक बनी रहती है तथा खेती अधिक लाभकारी बनती है।उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना किसानों को वैज्ञानिक खेती की दिशा में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है और इससे टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिल रहा है।

आचार संहिता के चलते रेवे में प्रस्तावित समाधान शिविर स्थगित, अब 10 जून को होगा आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी अर्धशासकीय पत्र 16 अप्रैल 2026 के तहत प्राप्त निर्देशानुसार जिले में ÷सुशासन तिहार 2026÷ के अंतर्गत 01 मई 2026 से 10 जून 2026 तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत रेवे में 15 मई 2026 को समाधान शिविर आयोजित किया जाना प्रस्तावित था।

किन्तु छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश के तहत 08 मई 2026 के अनुसार जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 07, जिसमें ग्राम पंचायत रेवे, पतोरा, सिलघट (प.) एवं भरचट्टी शामिल हैं, में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। आदर्श आचार संहिता के प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम पंचायत रेवे में 15 मई 2026 को आयोजित होने वाले समाधान शिविर में आंशिक संशोधन किया गया है। अब उक्त समाधान शिविर का आयोजन आगामी प्रस्तावित तिथि 10 जून 2026 को किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से निर्धारित नवीन तिथि पर शिविर में उपस्थित होकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं समस्या निराकरण सेवाओं का लाभ लेने की अपील की गई है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः 33 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय सिवनी च के प्रांगण में सामुहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि समारोह में कुल 33 जोड़ों का विवाह पारम्परिक रीति-रिवाज और पूर्ण विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। इसमें परियोजना बम्हनीडीह के 17 जोड़े और परियोजना बलौदा के 16 जोड़े शामिल हुए। समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को उनके आगामी सुखद

दांपत्य जीवन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। योजना के तहत प्रत्येक नवदंपति को शासन द्वारा निर्धारित सहायता राशि उनके खातों में प्रदान की गई तथा विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, जनपद पंचायत अध्यक्ष बलौदा श्रीमती शारदा मदन देवांगन, जनपद पंचायत सदस्य चूड़ामणि राठौर, श्रीमती द्रोपती उमाशंकर साहू, श्रीमती कृष्णा कुमारी, गोविंद राठौर, जगभवानी देवांगन, श्रीमती ललिता यादव, मनमोहन देवांगन, रामाधीन राठौर, प्रमोद देवांगन, अनिकेत पाण्डेय, सेवा यादव, लखन कुंभकार, रामकृष्ण लाठू, मुनीराम बरेठ, जितेन्द्र पटेल,पन्नालाल राठौर, मनोज राठौर, रामरतन राठौर, भगवत देवांगन, मोहर साय,गजानंद देवांगन सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी वर वधु के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

अन्याय और भ्रष्टाचार के विरुद्ध शिवसेना का शंखनादः जन-जागरण चलाते हुए बाजार-बाजार जाकर किए पर्चे वितरण

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ दुर्गुकोंदल शिवसेना तहसील ईकाई दुगूकोंदल द्वारा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, शोषण और अन्यायपूर्ण व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करने तथा आम नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शिवसेना द्वारा एक व्यापक जन- जागरण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत् शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रमुख बाजारों में सार्वजनिक स्थान और भीड़भाड़ वाले इलाको में जन प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं। इसी तारतम्य में कार्यकर्ताओं ने जन जागृत करते हुए बरहेली सप्ताहिक बाजार में पर्चा वितरण किया। शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने कहा हमारा उद्देश्य केवल समाज को

जागरूक करना नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण करना हैं जब तक हर नागरिक को न्याय नहीं मिल जाता हमारा यह संघर्ष जारी रहेगा। हमारे कार्यकर्ता व पदाधिकारी बाजार-बाजार जाकर नागरिकों को शासन प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। दुबे ने यह स्पष्ट कहा कि अन्याय और अत्याचार को अब और नहीं सहन किया जाएगा। दबे-कुचले वर्ग मजदूरों को न्याय दिलाने के लिए शिवसेना सड़क से लेकर प्रशासन तक संघर्ष करेगा। भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों और कानून के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक स्तर पर पर्चा बांटे गए। इस अभियान में मुख्य रूप से सुकचंद मंडावी सम्पत सिन्हा भोला नेताम शिवराज गावड़े रामसिंह तोप्पा अनिल नेताम सुरेश रावटे माखन पटेल डिपेंद कुंजाम सहित शिवसेना के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

उदय चंद्राकर कॉमर्स संकाय 92 प्रतिशत और गणेश निर्मलकर गणित संकाय 75त से अवल्ल रहे

डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा का बारहवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

शानदार परीक्षा परिणाम से विद्यालय एवं क्षेत्र में हर्ष का वातावरण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेंतरा जिले व दाढ़ी क्षेत्र के एकमात्र सीबीएसई विद्यालय डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण निर्मित

हो गया। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने परीक्षा में सफल सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन, लगन एवं विद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उत्कृष्ट शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

बारहवीं बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। विद्यालय के शीर्ष तीन विद्यार्थियों में उदयप्रकाश ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं आदित्य देवांगन ने 84.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान तथा गणेश निर्मलकर ने 75.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में विशेष उत्साह का माहौल देखा गया।

विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी। साथ ही विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करते रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।